निगम के नायक

निगम के हितलाभ : मेरे लिए वरदान

परिचय : श्री राम खिलावन, बीमा संख्या : 6931803727
वर्तमान पता : नहारपुर, गुरुग्राम, मोबाइल सं. : 9711015319

मैं हरदोई, उत्तरप्रदेश का निवासी हूँ। मैंने बहुत साल पहले अपना गाँव छोड़ दिया था तथा रोजगार प्राप्त करने के लिए मुझे बहुत संघर्ष करना पड़ा। लेकिन किस्मत ने मेरे साथ जो खेल खेला है, भगवान ऐसा किसी के साथ न करें। लेकिन खैर हमारी परेशानी का हल भी उन्हीं के पास होता है। वर्तमान में, मैं मेसर्स जीकेन सीटिंग कलेक्शन प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम में कार्य कर रहा हूँ जिसमें कि फर्नीचर बनाए जाते हैं। मेरी उम्र 38 वर्ष है तथा मैं अपनी बुजुर्ग माताजी, पत्नी और तीन बेटियों के साथ बमुश्किल अपनी आजीविका चला रहा हूँ।

लेकिन साल 2021 मेरे लिए एक दुखद खबर लेकर आया। कुछ दिनों से मैं बुखार से पीड़ित था। मैंने आस-पास के क्लीनिक से इलाज करवाया लेकिन मेरा बुखार कम नहीं हुआ, उल्टा मैं शारीरिक रुप से दिन प्रतिदिन कमजोर होता गया। यह सिलसिला कई महीनों तक चलता रहा। मैं शरीर और पैसे दोनों से कमजोर हो रहा था। फिर आखिरकार मैंने ईएसआईसी अस्पताल मानेसर की तरफ रुख किया तो डॉक्टर साहब ने मेरी हालत देखकर कुछ ब्लड टेस्ट कराने के लिए परामर्श दिया। मैंने मानेसर अस्पताल में अपने ब्लड टेस्ट कराकर जब रिपोर्ट डॉक्टर साहब को दिखाई तो डॉक्टर के चेहरे से मुझे अंदाजा हो गया था कि मैं किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हूँ। डॉक्टर साहब ने कुछ देर बाद बताया कि मुझे किडनी की बीमारी है और आपका एक और ब्लड टेस्ट करना होगा तथा मुझे ईएसआईसी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल फरीदाबाद के लिए रेफर कर दिया गया। मैंने फरीदाबाद अस्पताल में अपना ब्लड टेस्ट कराया तथा रिपोर्ट मानेसर अस्पताल के डॉक्टर साहब को दिखाई। डॉक्टर साहब ने मुझे बताया कि बहुत देर हो चुकी है क्योंकि आपकी दोनों किडनी फेल हो चुकी है। यह बात सुनकर मुझे लगा जैसे कि मेरा तो संसार ही उजड़ गया हो और इसी वजह से मेरा शरीर पीला पड़ चुका है।

मैं तीन बेटियों का पिता और अपने घर में अकेला कमाने वाला, जैसे मुझ पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा हो। लेकिन कहते हैं न कि जहाँ चाह, वहाँ राह। डॉक्टर साहब ने मुझे कहा कि अब तो बस एक ही उपाय शेष है।जब मैंने पूछा तो उन्होंने कहा कि यदि कोई आपको अपनी एक किडनी दान कर दे तो आपकी किडनी का प्रतिरोपण किया जा सकता है और आप एक किडनी पर भी जीवित रहकर अपना जीवन-यापन कर सकते हो। एक पल के लिए मुझे लगा कि अब मुझे कौन अपनी किडनी दान करेगा। लेकिन जब मैंने घर आकर अपने परिवार से यह बात बताई तो मेरी माँ ने बिना किसी हिचकिचाहट से कहा कि मैं बैठी हूँ, मैं अपने बेटे को अपनी किडनी दान करुँगी, तेरे बिना तो मेरा जीवन वैसे ही खत्म हो जाएगा। मेरी 65 वर्ष की बुजुर्ग माँ की बात सुनकर मेरी आँखों में आँसू आ गए और मैंने कहा कि "नहीं माँ मैं आपकी किडनी नहीं ले सकता" तो मेरी माँ ने कहा कि बेटा मेरा जीवन तो तुम ही हो अगर तुम ही न रहे तो मेरा जीवन बेकार है। फिर अगले दिन मैं अपनी माँ को लेकर ईएसआईसी अस्पताल मानेसर में डॉक्टर साहब के पास गया तो उन्होंने मेरी माँ की चिकित्सा जांच करने के बाद कहा कि आपकी माँ आपको अपनी एक किडनी दान कर सकती हैं। डॉक्टर साहब ने ऑपरेशन की अगली प्रक्रिया शुरू कर दी है तथा अब मेरा ऑपरेशन ईएसआईसी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल फरीदाबाद में होना तय हुआ। मैं मेरी माँ और ईएसआईसी का शुक्रगुजार हूँ कि मैं अपनी बाकी जिंदगी बिना किसी तकलीफ से गुजार सकूँगा और अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकूँगा। **मैं अपनी माँ के लिए बस यहीं कहना चाहूँगा - "माँ ने सर पर हाथ रखा, तब चैन मिला बीमारी में। अब पता चला कि एक मसीहा भी रहता है, घर की चारदीवारी में"** ।

ईएसआईसी द्वारा की गई मेरी सहायता के लिए मैं ईएसआईसी और स्टाफ का धन्यवाद करता हूँ।

नोटः बीमाकृत व्यक्ति श्री राम खिलावन का यह अनुभव उनके साथ किए गए साक्षात्कार पर आधारित तथा वर्णित है।

निगम के नायक

निगम के हितलाभ : मेरे लिए वरदान

परिचय	: श्री पूर्ण सिंह,	बीमा संख्या	: 6924664599
वर्तमान पता	: सेक्टर-37, गुरुग्राम,	मोबाइल सं.	: 09319650414

मेरा गाँव सिकरौदा है जो मध्यप्रदेश राज्य में है । पारिवारिक जिम्मेदारी एवं रोजगार की तलाश में मुझे अपना गाँव छोड़ना पड़ा जो कि मेरे लिए तथा मेरे परिवार के लिए बहुत ही मुश्किल समय था क्योंकि गाँव में हमारे लिए गुजर-बसर करना चुनौतीपूर्ण एवं संघर्षमय हो गया था। मेरे परिवार की आँखों में और दिल में अपना गाँव छोड़ने का गम साफ नजर आ रहा था। फिर भी दिल पर पत्थर रखकर हम दिल्ली आने वाली ट्रेन में बैठ गए । दिल्ली में मेरे एक रिश्तेदार जो पहले से ही गुड़गाँव में एक कंपनी में कार्य कर रहा था, उसने मुझे गुड़गाँव आने के लिए कहा तथा एक कंपनी में हेल्पर के रूप में काम पर रखवा दिया।

नियोक्ता ने मेरे पंजीकरण से संबंधित सभी प्रकार की औपचारिकताओं को पूरा किया । किन्तु तब तक भी मुझे ईएसआईसी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। एक दिन जब मेरी पत्नी की तबियत खराब हुई तो मैं उन्हें एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले गया । निजी अस्पताल में एक ही दिन में मेरा बहुत खर्चा हो गया । उसी दौरान मेरा एक सहकर्मी मुझसे अस्पताल में मिलने आया तो उसने बताया कि आप ईएसआईसी अस्पताल में इलाज के लिए क्यों नहीं जाते? तो मैंने कहा कि मैं इस बारे में कुछ नहीं जानता ।मेरे साथी ने पूछा कि क्या आपके नियोक्ता ने आपका ईएसआईसी में पंजीकरण किया है? जब मैंने अपने नियोक्ता से इस बारे में जानकारी मांगी तो उन्होंने मुझे मेरा ईएसआईसी बीमा संख्या उपलब्ध कराया, तब मैंने अपनी पत्नी का ईएसआईसी अस्पताल से उपचार कराया तथा मेरी पत्नी को अस्पताल में खाना एवं दवाई-गोलियां मुफ्त उपलब्ध कराई तथा उपचार के लिए मेरा खर्च शून्य रहा । उस समय मुझे ईएसआईसी के हितलाभों एवं सुविधाओं की जानकारी प्राप्त हुई ।

03 नवम्बर 2020 का वो दिन मुझे आज भी याद है जब मैं रोज की तरह अपने घर से मेसर्स श्री राम मोटर्स, खांडसा, गुरुग्राम में ड्यूटी के लिए निकला था । लेकिन मुझे क्या पता था कि आज मेरे साथ कुछ अनहोनी होने वाली है । मैं पॉवर प्रेस मशीन पर तैनात था और बहुत ही ध्यान से अपना काम कर रहा था लेकिन जब मैं मशीन से पीस निकाल रहा था तो अचानक ही मशीन में गड़बड़ी की वजह से मेरे बाएं हाथ की चार उँगलियाँ मशीन में फंस गई तथा कट गई । मेरी आँखों में आंसू आ गए तथा मैं दर्द में कराहने लगा । मुझे लगा आज तो शायद मेरी जिंदगी का ये आखिरी दिन है । किन्तु कहते हैं न कि भगवान हमेशा आपके साथ रहते हैं । मेरे नियोक्ता और मेरे साथियों ने मेरी बहुत सहायता की तथा मेरा उपचार कराया जो कि मैं ईएसआईसी का हमेशा ही शुक्रगुजार रहूँगा । किन्तु मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ईएसआईसी ने कभी मेरा साथ नहीं छोड़ा तथा मुझे जो भी हितलाभ प्रदान किए जाने थे वो मुझे ईएसआईसी द्वारा प्रदान किए गए । मैं बताना चाहता हूँ कि जिस समय मेरे साथ दुर्घटना घटी उस समय देशभर में कोरोना महामारी फैली हुई थी जो कि बहुत ही विकट समय था। लेकिन फिर भी उन दिनों में ईएसआईसी द्वारा जो चिकित्सा सुविधाएँ अपने बीमाकृत व्यक्तियों और उनके आश्रितों को प्रदान की गई, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता ।

आज मुझे ईएसआईसी द्वारा अपंगता हितलाभ के रूप में लगभग रु. 3900/- प्रति माह आश्रितजन हितलाभ का भुगतान किया जा रहा है जिसकी वजह से मैं आज 67 वर्ष की उम्र में अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण कर पा रहा हूँ । मैं ईएसआईसी और इसके अधिकारी एवं कर्मचारियों का हृदय से धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने मेरे बुरे वक्त में मेरी और मेरे परिवार की मदद की।

नोटः बीमाकृत व्यक्ति श्री पूर्ण सिंह का यह अनुभव उनके साथ किए गए साक्षात्कार पर आधारित तथा वर्णित है।

निगम के नायक

निगम के हितलाभ : मेरे लिए वरदान

परिचय : श्रीमती रेखा पाल पत्नी श्री दीपक कुमार पाल

बीमा संख्या : 6925933061

वर्तमान पता : बावल मार्किट, बावल, रेवाड़ी

मोबाइल सं. : 8726847579

मैं मेसर्स डी.बी.जी. टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, बावल, रेवाड़ी में कार्यरत हूँ। ईएसआईसी अस्पताल एवं कार्यालय द्वारा मुझे जो हितलाभ प्रदान किए जा रहे हैं शायद ही ऐसी सुविधाएँ और हितलाभ कोई दूसरी संस्था प्रदान कर पाती। मुझे मातृत्व हितलाभ के रूप में ईएसआईसी द्वारा 06 माह वेतन प्रदान किया गया, जिसकी वजह से मैं अपने परिवार का अच्छी तरह से गुजर बसर कर पाई। मैं और मेरा परिवार ईएसआईसी अस्पताल मानेसर से उपचार प्राप्त करता है। ईएसआईसी द्वारा की जाने वाली मेरी सहायता के लिए मैं ईएसआईसी और स्टाफ का धन्यवाद करती हूँ।

निगम के हितलाभ : मेरे लिए वरदान

परिचय : श्री नितेश पांडे

बीमा संख्या : 6910901953

वर्तमान पता : नाहरपुर, गुरुग्राम, मोबाइल सं. - 9810281145

मेरा गाँव गोपालगंज है जो बिहार राज्य में है। वर्तमान में मेसर्स अनुभव सीलिंग सिस्टम्स, मानेसर में कार्यरत हूँ। 02 जुलाई, 2011 का वो दिन मुझे आज भी याद है जब मैं रोज की तरह अपने घर से ड्यूटी के लिए निकला था। लेकिन मुझे क्या पता था कि आज मेरे साथ कुछ अनहोनी होने वाली है। मैं पॉवर प्रेस मशीन पर तैनात था और बहुत ही मन लगाकर और सावधानी से अपना काम कर रहा था लेकिन जब मैं मशीन से पीस निकाल रहा था तो अचानक ही मशीन में गड़बड़ी की वजह से मेरे बाएं हाथ की चार उँगलियाँ मशीन में फंस गई तथा कट गई। मेरी आँखों में आंसू आ गए तथा मैं दर्द से चिल्लाने लगा।

मेरे नियोक्ता और मेरे साथियों ने मेरी बहुत सहायता की तथा मेरा उपचार कराया। इसके लिए ईएसआईसी का हमेशा ही शुक्रगुजार रहूँगा। किन्तु मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ईएसआईसी ने कभी मेरा साथ नहीं छोड़ा तथा मुझे जो भी हितलाभ प्रदान किए जाने थे वो मुझे ईएसआईसी द्वारा प्रदान किए गए।

आज मुझे ईएसआईसी द्वारा अपंगता हितलाभ के रूप में लगभग रु.3600/- प्रति माह पेंशन का भुगतान किया जा रहा है जिसकी वजह से मैं आज अपना भरण-पोषण कर पा रहा हूँ। मैं ईएसआईसी और इसके अधिकारी एवं कर्मचारियों का हृदय से धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने मेरे बुरे वक्त में मेरी और मेरे परिवार की मदद की।

नोटः बीमाकृत व्यक्ति श्रीमती रेखा पाल तथा श्री नितेश पांडे का यह अनुभव उनके साथ किए गए साक्षात्कार पर आधारित तथा वर्णित है।

हमारा परिवार

माँ की ममता

हर पल हर दिन हर समय,
जो आशीर्वाद बरसाती है,
ममता मयी आँचल है जिसका
वो माता कहलाती है।

अपनी उंगलियों के सहारे,
चलना हमें सिखाती है,
धूप में अपने आँचल को,
छाँव की चादर बनाती है।

अपनी नींदों को छोड़ कर,
सारी रात सहलाती है.
अपनी प्यारी लोरी से,
चैन की नींद सुलाती है।

पहली बोली पहली शिक्षा,
माता ही सिखाती है,
हमारी छोटी से छोटी चोट पर,
आँसू वही बहाती है।

जीवन के हर कदम पर,
सही राह सिखाती है,
ठोकर पर लड़खड़ाने पर,
सीने से लगाती है।

जीवन की हर विपदा पर,
ढाल वही बन जाती है,
हमारे सुखों की खातिर,
सारे जग से लड़ जाती है।

कदम कदम पर करती मार्गदर्शन,
चाहे बचपन या हो यौवन,
तुम्हारे असीम प्यार के आगे,
माँ तुमको कोटि कोटि नमन।

शिवम सचदेवा
सुपुत्र मनोज सचदेवा, कार्यालय अधीक्षक

नव वर्ष - 2025

साल निकल रहा है,
कुछ नया होता है,
कुछ पुराना पीछे रह जाता है,
कुछ ख्वाईशें दिल में रह जाती हैं,
कुछ बिन मांगे मिल जाती हैं,
कुछ छोड़ कर चले गये,
कुछ नये जुड़ेंगे इस सफर में,
कुछ मुझसे खफा हैं, कुछ मुझसे बहुत खुश हैं,
कुछ मुझे भूल गये, कुछ मुझे याद करते हैं,
कुछ शायद अनजान हैं, कुछ बहुत परेशान हैं,
कुछ को मेरा इंतजार है, कुछ का मुझे इंतजार हैं,
कुछ सही है, कुछ गलत भी है,
कोई गलती की है तो माफ कीजिये,
और कुछ अच्छा लगे तो याद कीजिये,

कु. वैशाली शर्मा
भतीजी, जितेन्द्र कुमार
प्रवर श्रेणी लिपिक

हमारा परिवार
चित्रकारी

वंशिका सुपत्री
श्रीमती सुमन, प्रवर श्रेणी लिपिक

आशुतोष प्रधान
सुपुत्र श्री जदुनाथ प्रधान, सहायक

हमारे पेंशनर

पेंशनर श्री करन सिंह से प्राप्त पत्र

करन सिंह
उप निदेशक(सेवानिवृत्त)
आदरणीय कुण्डल जी, नमस्कार

07-11-2024 को हिसार से गुरूग्राम की लंबी दूरी (195 किमी) होने के कारण पेंशनर्स मीटिंग में शामिल होने का मन नहीं था, क्योंकि उम्र से संबंधित बीमारियों के कारण असुविधा होती है, लेकिन अंततः यात्रा करने और साथी पेंशनर्स और उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम के नए कार्यालय प्रभारी से मिलने का फैसला किया।

उप क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचने पर मुझे लगा कि अगर मैं मीटिंग में शामिल नहीं होता तो यह मेरी ओर से गलत होता। मैं सीधे आपके कमरे में गया, जहां आप स्वयं पूर्व संयुक्त निदेशक श्री दहिया जी के साथ बैठे थे। जब मैंने आपसे अपना परिचय दिया तो आपने गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण मुस्कान के साथ मेरा स्वागत किया जो कि एक अनुकरणीय भाव था। इस सज्जनता के लिए आपका धन्यवाद। इसके अलावा, मीटिंग हॉल में मैंने देखा कि हर चीज सावधानीपूर्वक और बुद्धिमानी से आयोजित की गई थी और हर पेंशनर को सही तरीके से सम्मानित किया गया था। भोजन बहुत अच्छा था और क.रा.बी. निगम के लोगो और भारतीय गणराज्य के प्रतीक वाला मग भी एक लाभकारी उपहार था जिसने इस कार्यक्रम को यादगार बना दिया। आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

करन सिंह
उप निदेशक(सेवानिवृत्त)

सच्चा मित्र

जो मित्र समय पर काम आता है, वही सच्चा मित्र होता है। समाज में विभिन्न प्रकार के लोग होते हैं। कुछ मेहनती होते हैं। कुछ आलसी होते हैं। कुछ धोखेबाज होते हैं। कुछ ईमानदार होते हैं, कुछ सज्जन होते हैं, कुछ असभ्य होते हैं। कुछ कानून का सम्मान करते हैं। कुछ कानून तोड़ते हैं। कुछ लोग बुढ़ापे में अपने माता-पिता को छोड़ देते हैं और कुछ उन्हें अपना 'आराध्य' मानकर पूजते हैं। कुछ लोग केवल लगन और समर्पण से महानता प्राप्त करते हैं। कुछ लोग अवांछनीय कार्यों में लिप्त होकर अपना समय नष्ट करते हैं और कुछ लोग समाज के लिए कीर्तिमान स्थापित करते हैं जो आगे आकर वृद्धों और अशक्तों के लिए स्कूल, अस्पताल, धर्मशाला और आश्रम खोलकर समाज सेवा करते हैं, विपत्ति में जरूरतमंदों की मदद करते हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ लोग अपनी चालाकी, बेईमानी, बाहुबल और राजनीतिक प्रभाव से लोगों को लूटते हैं।

1948 के क.रा.बी. अधिनियम (34) के रूप में एक ऐसा नियम श्रमिक वर्ग के मित्र के रूप में अस्तित्व में आया जिसने उन्हें बेईमान नियोक्ताओं के चंगुल से मुक्त किया और उन्हें कई लाभों जैसे बीमारी हितलाभ, अस्थायी अपंगता हितलाभ, अपंगता हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, विस्तारित बीमारी हितलाभ और अंत्येष्टि व्यय के रूप में सहायता के साथ सशक्त बनाया।

क.रा.बी. अधिनियम के अंतर्गत आने वाले कामगार, यदि उन्हें आवश्यकता हो तो, उपर्युक्त सभी हितलाभों का लाभ उठा सकते हैं तथा बिना किसी शोषण के सम्मानपूर्वक जीवन जी सकते हैं।

यह अधिनियम (क.रा.बी. अधिनियम) महान नेता डॉ. बी.आर. अंबेडकर की दूरदृष्टि का परिणाम है जिन्होंने भारत में 8 घंटे का कार्य दिवस लागू किया और श्रमिकों के लिए अवकाश की व्यवस्था की। श्रम विभाग की स्थापना नवंबर 1937 में हुई और डॉ. अंबेडकर ने जुलाई 1942 में श्रम विभाग संभाला। खान, प्रसूति कार्य, महिला कल्याण कोष, महिला और बाल श्रम संरक्षण अधिनियम, कोयला खदानों में भूमिगत काम करने वाली महिलाओं के लिए प्रसूति आदि जैसे कानून महिला श्रमिकों के लिए बनाए गए।

डॉ. अंबेडकर से प्रेरित होकर वर्तमान सरकार ने श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को बुढ़ापे में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फरवरी 2019 में 'प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना' शुरू की गई।

क.रा.बी. अधिनियम, श्रमिक वर्ग का एक जरूरतमंद मित्र है। क.रा.बी. निगम के पदाधिकारियों द्वारा निगम के अति महत्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में नामित आई.पी. को एक मित्र की तरह मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ इस महान रिश्ते को बनाए रखा जा सकता है। अच्छा करो, अच्छा पाओ और क.रा.बी. निगम के झंडे को गर्व के साथ ऊंचा फहराते रहो तथा समाज को यह संदेश दो कि धर्म, ईमानदारी और मानवता शांति और समृद्धि के स्तंभ हैं जिन्हें सही दृष्टिकोण और बुद्धिमत्ता से प्राप्त किया जा सकता है।

करन सिंह
उप निदेशक (सेवानिवृत्त)

हमारा निगम

कर्मचारी राज्य बीमा निगम 'ईएसआईसी', गुरुग्राम का उत्कृष्ट प्रदर्शन

श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम ने पिछले कुछ वर्षों में अपने कार्यक्षेत्र में शानदार प्रगति की है जिसके चलते ही इस कार्यालय को इस वर्ष 24 फरवरी को श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा निगम के स्थापना दिवस समारोह में उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने हेतु पुरस्कृत भी किया गया। वर्ष 2023-24 के दौरान, इस कार्यालय ने अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने, सुविधाओं का विस्तार करने और श्रमिकों की कल्याणकारी योजनाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास के साथ-साथ कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) का प्रभावी कार्यान्वयन, यहां काम कर रहे श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिहाज से अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा है।

स्वास्थ्य सुविधाओं में सतत सुधार और विस्तार

गुरुग्राम, जो एक प्रमुख औद्योगिक और कॉर्पोरेट हब के रूप में उभर रहा है, यहां काम करने वाले लाखों श्रमिकों के लिए समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना एक बड़ी चुनौती थी। हालांकि, ईएसआईसी ने इस चुनौती को स्वीकार किया और अपनी स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार किया। अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को भी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया।

गुरुग्राम एवं मानेसर में स्थित ईएसआईसी अस्पताल में नए चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था की गई ताकि अधिक से अधिक श्रमिकों को इलाज की सुविधाएं मिल सकें। इसके अतिरिक्त, ईएसआईसी द्वारा शुरू की गई टेलीमेडिसिन तथा बुजुर्ग एवं निःशक्त लाभार्थियों को घर पर दवाओं का प्रेषण एवं स्वास्थ्य जांच इत्यादि सेवाओं ने श्रमिकों को घर बैठे स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधा प्रदान की है।

लाभार्थियों की संख्या में वृद्धि

गुरुग्राम में कामकाजी श्रमिकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, और इसके साथ ही बीमाकृत कर्मचारियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। जहाँ वर्ष 2022-23 में गुरुग्राम एवं इससे सम्बद्ध जिलों में 12.63 लाख बीमित व्यक्ति थे, जो कि वर्ष 2023-24 के दौरान बढ़ कर 14.80 लाख हो गए। यह वृद्धि इस बात का भी सूचक है कि ईएसआईसी की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ है और अधिक से अधिक श्रमिकों को इस योजना का लाभ मिल रहा है।

सुनील यादव

ईएसआईसी ने श्रमिकों की बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए कई नई पहलें शुरू की हैं जिनमें निवारक मेडिकल चेक-अप, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सहायता कार्यक्रम शामिल हैं। इन पहलों ने न केवल श्रमिकों की सेहत में सुधार किया, बल्कि उनकी कार्यक्षमता में भी वृद्धि की है।

सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने स्वयं को सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि यह श्रमिकों के कल्याण के लिए निरंतर सेवारत है। इनमें बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, स्थायी/अस्थायी विकलांगता हितलाभ, आश्रित जन हितलाभ और बेरोजगारी भत्ते जैसी योजनाएं शामिल हैं। इन कल्याणकारी योजनाओं से श्रमिकों को आर्थिक और मानसिक सुरक्षा मिली है, जो उनके जीवन स्तर को सुधारने में मदद कर रही हैं।

वर्तमान में निगम से 3400 से ज्यादा स्थायी दिव्यांग जन, जीवन पर्यंत मासिक हितलाभ प्राप्त कर रहें हैं, वहीं 1750 से ज्यादा लोग आश्रित जन हितलाभ हर माह प्राप्त कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त वर्ष 2023-24 में 3 हजार से ज्यादा बीमित व्यक्तियों को रु. 3.69 करोड़ बीमारी हितलाभ एवं 571 महिला कर्मियों को रु. 4.57 करोड़ मातृत्व हितलाभ के रूप में भुगतान किया गया ।

इसके अलावा, ईएसआईसी ने औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के लिए विशेष जागरूकता कार्यशालाएं और नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम आयोजित किए हैं ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें और उनके स्वास्थ्य की रक्षा की जा सके।

बीमाकृत व्यक्तियों के बच्चों के डॉक्टर बनाने के सपने को हकीकत में बदलने की सुविधा

बीमाकृत व्यक्तियों के बच्चों के मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग की पढ़ाई हेतु निगम के 8 मेडिकल कालेजों, 2 नर्सिंग एवं 2 डेंटल कॉलेजों में विशेष रूप से कुछ सीट रिजर्व हैं जिससे बीमित कामगारों के बच्चे भी कम खर्च में डॉक्टर, नर्स बन कर समाज में अपना योगदान दे सकें एवं अपने परिवार का जीवन स्तर भी सुधार सकें।

आधुनिक तकनीकों का उपयोग

ईएसआईसी ने सेवाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सभी श्रमिकों के आधार सीडिंग, ऑनलाइन क्लेम सबमिशन, डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड्स, उनके अंशदान एवं ई पहचान सम्बन्धी एस. एम. एस. और मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से श्रमिकों को उनकी सेवाओं तक आसानी से पहुंच प्रदान की गई है। इससे न केवल ईएसआईसी की कार्यक्षमता में वृद्धि हुई है बल्कि श्रमिकों को समय पर और सरल तरीके से उनकी सेवाओं के लाभ मिल पा रहे हैं।

भविष्य की दिशा

गुरुग्राम में ईएसआईसी के कार्यों के प्रभाव को देखते हुए, इस क्षेत्र में आने वाले समय में और भी सुधार की उम्मीद की जा रही है। ईएसआईसी का लक्ष्य प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PMJAY) के साथ समन्वय करके स्वास्थ्य सेवाओं का सुधार करते हुए अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों को बीमा प्रदान करने के साथ ही डिजिटल सेवाओं का विस्तार, नए अस्पतालों की स्थापना और श्रमिकों के कल्याण के लिए नए कार्यक्रमों की शुरुआत करना भी है।

गुरुग्राम में ईएसआईसी श्रमिकों के स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा में लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। इसके द्वारा की गई पहलें और सुधार क्षेत्र के श्रमिकों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव ला रही हैं। ईएसआईसी की योजनाओं के सफल कार्यान्वयन से गुरुग्राम के श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और कल्याणकारी सेवाएं मिल रही हैं, जो इस क्षेत्र के औद्योगिक विकास में सहायक साबित हो रही हैं।

संयुक्त निदेशक(प्रभारी)

हमारा निगम

अनौपचारिक क्षेत्र में श्रमिकों के लिए औपचारिकीकरण और सामाजिक सुरक्षा कवरेज : चुनौतियां और नवाचार

सन्नी कुशवाहा

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) और अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) के सहयोग से यशोभूमि - इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर, नई दिल्ली में "अनौपचारिक क्षेत्र में श्रमिकों के लिए औपचारिकीकरण और सामाजिक सुरक्षा कवरेज : चुनौतियां और नवाचार" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जिसका उद्घाटन माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा किया गया। इस तकनीकी संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे, सचिव (श्रम एवं रोजगार) सुश्री सुमिता डावरा, आईएसएसए अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद अजमान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए।

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने सभा को संबोधित करते हुए दो दिवसीय संगोष्ठी के महत्व का उल्लेख करते हुए इस बात पर जोर दिया कि सामाजिक सुरक्षा आम लोगों तक पहुंचनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा प्राचीन काल से चली आ रही है और यह एक सतत प्रक्रिया बनी हुई है। महान दार्शनिक चाणक्य का उल्लेख करते हुए डॉ. मांडविया ने इस बात पर जोर दिया कि गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों, विशेष रूप से समाज के सबसे निचले तबके के लोगों को सभी प्रकार के लाभ और जीवन जीने संबंधी पर्याप्त सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि स्वरोजगार करने वाले व्यक्तियों को भी सामाजिक सुरक्षा जैसे उपाय प्रदान किए जाने चाहिए।

डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत के आकार और जनसांख्यिकीय विविधता को देखते हुए, पिछले एक दशक में किसी भी अन्य देश ने अपने नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा में सुधार के लिए भारत जितना काम नहीं किया है। उन्होंने उल्लेख किया "आईएलओ की विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट 2024-26 के अनुसार भारत का सामाजिक सुरक्षा दायरा 24.4 प्रतिशत से दोगुना होकर 48.8 प्रतिशत हो गया है। देश के लगभग 920 मिलियन लोग, यानी 65 प्रतिशत आबादी, केंद्र सरकार की योजनाओं के तहत कम से कम एक सामाजिक

प्रगति के कारण दुनिया के औसत सामाजिक सुरक्षा कवरेज में 5 प्रतिशत अंकों की वृद्धि हुई है।'' भारत ने स्वास्थ्य सुरक्षा, पेंशन सुरक्षा, आजीविका सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे अपने लोगों के लिए व्यापक समर्थन सुनिश्चित हुआ है।

डॉ. मांडविया ने विशिष्ट उपलब्धियों को साझा किया, जिनमें 600 मिलियन भारतीयों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा के अंतर्गत देशभर में 24,000 से अधिक अस्पतालों में 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क स्वास्थ्य कवर उपलब्ध है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले निशुल्क खाद्यान्न वितरण से 800 मिलियन लोग लाभान्वित होते हैं। उन्होंने कहा कि ई-श्रम पोर्टल का शुभारंभ एक अन्य महत्वपूर्ण पहल रही है, जिसने 300 मिलियन से अधिक अनौपचारिक श्रमिकों का पंजीकरण करने और सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुँचने में सक्षम बनाया है। उन्होंने उल्लेख किया कि पिछले 10 वर्षों में इन सामाजिक सुरक्षा उपायों के कारण 248 मिलियन लोग गरीबी से बच गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने भारत की प्रभावशाली आर्थिक वृद्धि पर भी प्रकाश डाला, जिसमें 6.7 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि और 643 मिलियन लोगों का कार्यबल शामिल है। उन्होंने कहा कि पिछले 6 वर्षों में कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 41.7 प्रतिशत हो गई है। डॉ. मांडविया ने बढ़ती अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुए घोषणा की कि नई श्रम संहिता ने श्रमिकों को परिभाषित किया है और उन्हें सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे ने भी इस सभा को संबोधित किया और सेमिनार के महत्व पर जोर देते हुए इसे समय की जरूरत बताया। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि यह अंतर्राष्ट्रीय आयोजन अनौपचारिक श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सुश्री करंदलाजे ने श्रमिकों के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने, उन्हें भेदभाव और शोषण से बचाने और समान आर्थिक और सामाजिक अवसर प्रदान करने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित स्पष्ट दिशा के अनुरूप है जो राष्ट्र निर्माण में अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हैं और उन्हें 'विकसित भारत' बनाने में भागीदार बताते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और सामाजिक सुरक्षा संस्थानों दोनों के लिए यह आवश्यक है कि वे ऐसे कार्यक्रम तैयार करने में नए तरीके अपनाए और सहयोग करें जो श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा में अंतराल को प्रभावी ढंग से संबोधित करें।

इस कार्यक्रम में सुश्री सुमिता डावरा, सचिव (श्रम एवं रोजगार) ने पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने तथा गुणवत्तापूर्ण रोजगार सृजन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने जनसांख्यिकीय लाभांश का दोहन करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। सुश्री डावरा ने उल्लेख किया कि औपचारिक क्षेत्र के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ईपीएफओ और ईएसआईसी के माध्यम से केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के मार्गदर्शन में सेवाओं को मजबूत कर रही है तथा श्रमिकों के लिए दायरे का विस्तार कर रही है। उन्होंने अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के सरकार के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला तथा ई-श्रम पोर्टल सहित कई योजनाओं के शुभारंभ का जिक्र किया जो एक वन-स्टॉप समाधान के रूप में कार्य करता है। यह पहले से ही पोर्टल पर पंजीकृत 300 मिलियन से अधिक असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए केंद्रीय और राज्य कल्याण योजनाओं तक आसान पहुंच प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय मंत्री एवं अन्य गणमान्यों ने कॉफी टेबल बुक 'भारत में सामाजिक सुरक्षा' का भी विमोचन किया, जिसमें विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के माध्यम से नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में भारत की यात्रा पर प्रकाश डाला गया है। साथ ही केंद्रीय मंत्री ने आईएसएसए-ईएसआईसी अंतर्राष्ट्रीय

संगोष्ठी में देश में सामाजिक सुरक्षा कवर को मजबूत करने के लिए श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा शुरू की गई पहलों जैसे ई-श्रम, राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल आदि को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न प्रदर्शनी स्टालों का भ्रमण किया।

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद अजमान ने भी इस महत्वपूर्ण तकनीकी संगोष्ठी की मेजबानी के लिए केंद्रीय मंत्री और ईएसआईसी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभा को संबोधित किया। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में भारत की असाधारण प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में देश का आतिथ्य और नेतृत्व इसे इस सभा के लिए आदर्श स्थान बनाता है। डॉ. अजमान ने अधिक समावेशी और मजबूत सामाजिक सुरक्षा ढांचा बनाने में ईएसआईसी और ईपीईएफओ द्वारा प्रदर्शित प्रतिबद्धता और नवाचार को स्वीकार किया। उन्होंने बायोमेट्रिक नामांकन प्रणाली से लेकर ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म तक भारत द्वारा अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने पर प्रकाश डाला जो पारदर्शिता और दक्षता में वैश्विक मानक स्थापित कर यह सुनिश्चित करते हैं कि लाभ उन लोगों तक पहुंचें जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

इस कार्यक्रम में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक सुरक्षा दायरा बढ़ाने के साथ-साथ स्वास्थ्य और चिकित्सा देखभाल बीमा कवरेज के पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। पहले सत्र, 'औपचारिकीकरण और सामाजिक सुरक्षा कवरेज : अवसर, चुनौतियां और रणनीतियां' में श्रम बाजार के विकास और उन कारकों पर चर्चा की गई जो अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवरेज को चुनौतीपूर्ण बनाते हैं। इस सत्र में अंतर्राष्ट्रीय रणनीतियों और व्यापक राष्ट्रीय नीति दृष्टिकोणों को भी प्रस्तुत किया गया जो संस्थागत नवाचारों के लिए एक रूपरेखा प्रदान करते हैं।

दूसरे सत्र में श्रमिकों और अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वालों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुलभ बनाने के उद्देश्य से अच्छी विधियों और अभिनव उदाहरणों पर प्रकाश डाला गया। इन चर्चाओं में वित्तपोषण, पंजीकरण, योगदान संग्रह प्रक्रिया और लचीलेपन को बढ़ाने के लिए अन्य उपायों पर चर्चा की गई, जिससे कठिनता से शामिल किए गए इन समूहों के लिए सामाजिक सुरक्षा अधिक सुलभ हो सके।

तीसरा और अंतिम सत्र सामाजिक सुरक्षा कवरेज को बढ़ावा देने पर केंद्रित था, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि इसे प्रासंगिक और आसान बनाना ही पर्याप्त नहीं है। इसमें सब्सिडी, परिवार के सदस्यों के लिए कवरेज और छोटे उद्यमों के कर्मचारियों को पंजीकरण करने में मदद करने के उपाय आदि पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

कार्यक्रम का समापन एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ जिसमें भारत की समृद्ध विविधता और विरासत को प्रदर्शित किया गया।

उप निदेशक

हमारा निगम

74वां एसिक स्थापना दिवस एवं 'विशेष सेवाएं पखवाड़ा-2025'

74वें एसिक स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यालय में 'विशेष सेवाएं पखवाड़ा-2025' के अंतर्गत 24 फरवरी को कार्यालय में शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम सह सेमीनार की अध्यक्षता श्री सुनील यादव, संयुक्त निदेशक(प्रभारी) द्वारा की गई। इस अवसर पर गुरुग्राम औद्योगिक संगठन एवं नियोक्ता संघ के प्रधान, सचिव एवं सदस्यों ने भाग लिया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यालय प्रमुख श्री सुनील यादव एवं औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों ने पंचदीप प्रज्ज्वलित कर किया । साथ ही सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई । तदुपरांत कार्यालय अध्यक्ष द्वारा आमंत्रित औद्योगिक संगठन एवं नियोक्ता संघ के अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों को पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया गया ।

कार्यक्रम में औद्योगिक संगठन द्वारा अपनी शिकायतें एवं सुझाव रखे गए । गुरुग्राम औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष श्री जी.एन. मंगला ने सर्वप्रथम उपस्थित सभी अधिकारियों को एसिक स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा अपने विचार रखते हुए कहा कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि ईएसआईसी द्वारा जारी स्कीम एवं सेवाएं उच्च स्तरीय हैं किन्तु गुरुग्राम में कुछ औद्योगिक क्षेत्रों में अभी भी ईएसआई डिस्पेंसरी की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने बताया कि उद्योग विहार, नरसिंहपुर, खेड़की दौला, पटौदी रोड़ क्षेत्र में कोई ईएसआई डिस्पेंसरी नहीं है जिसकी वजह से कर्मचारी चिकित्सा संबंधित सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। अतः उन्होंने सुझाव दिया कि इन औद्योगिक क्षेत्रों में ईएसआई डिस्पेंसरी स्थापित की जाए ।

साथ ही संगठन के अन्य सदस्यों ने भी इसी समस्या का जिक्र किया तथा उन्होंने कहा कि यदि ईएसआईसी के पास जगह का अभाव है तो औद्योगिक संगठन जगह की व्यवस्था कर सकता है । साथ ही उन्होंने मोबाइल डिस्पेंसरी सिस्टम शुरू करने का सुझाव दिया ।

अध्यक्ष महोदय श्री सुनील यादव ने उनके सुझावों एवं शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना तथा आश्वासन दिया कि वे इन सुझावों एवं समस्याओं को शीघ्र ही मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाकर चर्चा करेंगे।

74वें एसिक स्थापना दिवस एवं विशेष सेवाएं पखवाड़ा -2025 के उपलक्ष्य में उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

74वें एसिक स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 24.02.2025 को कार्यालय में आयोजित सेमीनार में श्री राजेन्द्र प्रसाद-सहायक निदेशक ने उपस्थित औद्योगिक संघ के अधिकारियों को ईएसआईसी द्वारा प्रदान किए जा रहे हितलाभों एवं चिकित्सा सुविधाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि ईएसआई स्कीम के अंतर्गत बीमाकृत व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों को प्रदान किए जाने हितलाभ अन्य किसी बीमा कंपनी से बेहतर है क्योंकि इनका दायरा व्यापक होता है ।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित औद्योगिक संगठन के अधिकारियों को ईएसआईसी स्मृति चिन्ह, कैलेंडर एवं ईएसआईसी बुकलेट भी भेंट की गई।

दिनांक 25.02.2025 को मुख्यालय के निदेशानुसार स्वच्छता अभियान का श्रीगणेश कार्यालय में किया गया। इस प्रेरणादायक अभियान का शुभारंभ श्री सुनील यादव, संयुक्त निदेशक(प्रभारी) द्वारा कार्यालय परिसर के बाहरी एवं आंतरिक क्षेत्र में पौधा रोपित कर एवं साफ-सफाई करके किया गया । साथ ही कार्यालय प्रमुख के आह्वान पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जोश-उल्लास के साथ अपनी सहभागिता निभाते हुए स्वच्छता अभियान में अपना श्रमदान दिया ।

दिनांक 25.02.2025 को कार्यालय के आंतरिक परिसर में सामान्य क्षेत्रों यथा कोरिडोर, मुख्य द्वार, सभी कमरों, वर्क स्टेशनों, सीढियों, छत एवं जनरेटर स्थल एवं कार्यालय परिसर के बाहरी क्षेत्र के सफाई कार्य की समीक्षा की गई । समीक्षा उपरांत उक्त स्थानों की उचित तरीके से साफ-सफाई करके सभी उपकरणों एवं फाइलों को सुव्यस्थित रूप से रखा गया।

दिनांक 27.02.2025 ईपीएफओ गुरुग्राम के सामंजस्य से मेसर्स क्युइर इन्डे (M/S Cuir Inde), खांडसा, गुरुग्राम कम्पनी में अपने बीमाकृत व्यक्तियों की शिकायतों का निपटान करने के लिए 'निधि आपके निकट 2.0' के साथ सुविधा समागम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में श्री राजेन्द्र प्रसाद-सहायक निदेशक ने बीमाकृत व्यक्तियों को

ईएसआईसी द्वारा दिए जाने वाले हितलाभ एवं अन्य चिकित्सा हितलाभों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बीमाकृत व्यक्ति किस प्रकार एवं कौन-कौन से नकद एवं अन्य हितलाभ ईएसआईसी से प्राप्त कर सकते है।

इस सुविधा समागम में कुल 70 बीमाकृत व्यक्तियों को ईएसआईसी योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया। बीमाकृत व्यक्तियों की शिकायतें सुनी गई एवं उनका निपटान किया गया । बीमाकृत व्यक्ति अपनी शिकायतों का निवारण पाकर संतुष्ट हुए।

दिनांक 28.02.2025 को उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम ने ईएसआईसी आदर्श अस्पताल गुरुग्राम के सहयोग से मेसर्स मोडलमा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (M/S Modelama Export pvt. Ltd.), उद्योग विहार, गुरुग्राम कम्पनी में अपने बीमाकृत व्यक्तियों के स्वास्थ्य जाँच के लिए निवारक स्वास्थ्य जांच शिविर एवं स्वास्थ्य स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया। यह स्वास्थ्य जांच शिविर ईएसआईसी की चिकित्सा टीम द्वारा किया गया जिसमें डा. धीरज के साथ अन्य नर्सिंग अधिकारी एवं फार्मासिस्ट भी शामिल थे ।

इस स्वास्थ्य चिकित्सा जांच शिविर में मोडलमा (M/S Modelama Export pvt. Ltd.) एक्सपोर्ट्स लिमिटेड कंपनी के 75 कर्मचारियों की स्क्रीनिंग की गई। जिसमें उनके डायबिटीज, ब्लड प्रेशर आदि की जांच की गई। डॉ. धीरज ने बीमाकृत व्यक्तियों के साथ स्वास्थ्य वार्तालाप भी की तथा उन्हें दवाइयां भी वितरित की गई।

दिनांक 03.03.2025 को उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम में योग शिविर का आयोजन किया गया । योग शिविर का शुभारंभ कार्यालय प्रमुख श्री सुनील यादव, संयुक्त निदेशक द्वारा किया गया । इस अवसर पर कार्मिकों को योग का महत्व बताते हुए अभ्यास करवाया गया । योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री सुनील यादव ने कहा कि

इस अवसर पर डा. स्वीटी यादव ने योग पर अपने प्रकट करते हुए कहा कि योग एक प्राचीन भारतीय अभ्यास है जो शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन और एकता पर केंद्रित है। संस्कृत शब्द 'योग' का अर्थ है 'जोड़ना' या 'एकजुट करना'। यह शारीरिक मुद्राओं(आसन), श्वास नियंत्रण (प्राणायाम), ध्यान और नैतिक सिद्धांतों का एक समग्र अभ्यास है। योग का उद्देश्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना नहीं है बल्कि मानसिक शांति, आत्म-जागरूकता और आध्यात्मिक उन्नति को भी बढ़ावा देना है।

दिनांक 04.03.2025 को स्वास्थ्य वार्तालाप एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया।

इस वार्तालाप शिविर का आयोजन उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम द्वारा करवाया गया था । डॉ. देशराज ने कंपनी कार्मिकों को बताया कि वे किस प्रकार अपने स्वास्थ्य को दुरुस्त रख सकते है । उन्होंने कंपनी कर्मचारियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं सुनी एवं बताया कि शरीर में होने वाले परिवर्तनों से किस प्रकार की बीमारी के लक्षण हो सकते है तथा कैसे उनसे निजात पाया जा सकता है । यह स्वास्थ्य जांच शिविर ईएसआईसी आदर्श अस्पताल गुरुग्राम की चिकित्सा टीम द्वारा किया गया जिसमें डा. देशराज के अतिरिक्त अन्य नर्सिंग अधिकारी एवं फार्मासिस्ट भी शामिल थे।

इस स्वास्थ्य वार्तालाप एवं चिकित्सा जांच शिविर में पर्ल अपेरल प्राइवेट लिमिटेड (M/S Pearl Apparels Pvt. Ltd.) कंपनी के 80 कर्मचारियों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए जागरूक किया गया तथा बीमाकृत व्यक्तियों को दवाइयां भी वितरित की गई ।

दिनांक 05.03.2025 को बीमाकृत व्यक्तियों एवं उनके आश्रितजनों की शिकायतों का निपटान करने के लिए कार्यालय में विशेष सुविधा समागम का आयोजन किया गया तथा उनकी शिकायतों का निपटान किया गया । चिकित्सा हितलाभ, बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, अपंगता हितलाभ, आश्रितजन हितलाभ, अंत्येष्टि व्यय एवं प्रसूति व्यय से संबंधित विभिन्न हितलाभों पर विस्तृत चर्चा की गई। सुविधा समागम में उपस्थित बीमाकृत व्यक्तियों को जानकारी दी गई कि आपातकालीन स्थिति में निजी चिकित्सा संस्थान में इलाज कराकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति का दावा करने पर उसे सीजीएचएस /सरकारी दर से दावे का

भुगतान किया जाता है। इसलिए बीमाकृत व्यक्तियों को यह सलाह दी गई कि गैर आपातकालीन मामलें में निगम अस्पताल से इलाज प्राप्त करें। वहां चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में ही निजी संस्थान में उपचार लें। इस अवसर पर सभी बीमाकृत व्यक्तियों को उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम द्वारा प्रकाशित कैलेंडर वितरित किए गए।

दिनांक 07.03.2025 को ईएसआईसी द्वारा दिए जाने वाले हितलाभों और चिकित्सा सुविधाओं से कंपनी कर्मचारियों को मनोरंजक तरीके से अवगत और जागरूक करने के लिए उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम द्वारा जेबीएम लिमिटेड, सेक्टर-37, गुरुग्राम कंपनी में 'चिंता से मुक्ति' विषय पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया । इस नाटक का मंचन कार्यालय के कार्मिकों द्वारा किया गया जिसमें सीमा कपूर, पूजा दहिया, अंकुर कोहली, अमित कुमार, नेहा, अंकित और सुनील ने अपने अभिनय से कंपनी कार्मिकों को ईएसआईसी के हितलाभों और चिकित्सा सुविधाओं के प्रति जागरूक किया । नाटक मंचन के माध्यम से ईएसआईसी की योजनाओं तथा बीमारी हितलाभ, चिकित्सा हितलाभ, अशक्तता हितलाभ, मातृत्व हितलाभ और आश्रितजन हितलाभ के अलावा ईएसआईसी अस्पतालों द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न चिकित्सा सुविधाओं और पैनल अस्पतालों में उपचार के बारे में जानकारी दी गई ।

इस नुक्कड़ नाटक द्वारा बीमाकृत व्यक्तियों को उनके पुत्र-पुत्रियों के ईएसआईसी मेडिकल कालेज में चिकित्सा पाठ्यक्रमों में एडमिशन के बारे में जानकारी दी गई कि किस तरह उनके पुत्र-पुत्री ईएसआईसी मेडिकल कालेज में चिकित्सा संबंधी कोर्स में एडमिशन के लिए आरक्षण के हकदार होते हैं। इस नाटक के माध्यम से बीमाकृत व्यक्तियों को अपने बच्चों को उच्च शिक्षा देने के लिए भी प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त इस अवसर पर कार्यालय प्रमुख श्री सुनील यादव-संयुक्त निदेशक द्वारा बीमाकृत व्यक्तियों को ईएसआईसी की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। ईएसआईसी योजनाओं की महत्वपूर्ण जानकारी मनोरंजक तरीके से प्राप्त करने के बाद कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम के कार्मिकों का धन्यवाद ज्ञापन किया ।

मुख्यालय निदेशानुसार 74वें एसिक स्थापना दिवस एवं 'विशेष सेवाएं पखवाड़ा-2025' के अंतर्गत 10 मार्च को समापन समारोह का आयोजन किया गया। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुनील यादव, संयुक्त निदेशक(प्रभारी) द्वारा की गई।

समापन समारोह के अवसर पर कार्यालय अध्यक्ष ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा प्रथम दायित्व बीमाकृत व्यक्तियों को सुविधाएं उपलब्ध कराना है तथा हमें उनके हितलाभों एवं शिकायतों का निपटान त्वरित करना चाहिए। इस अवसर पर पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों/प्रतियोगिताओं में सम्मिलित प्रतिभागियों को प्रभारी महोदय द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यालय के हाउसकीपिंग स्टाफ को उपहार भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025

'नारी निंदा न करो, नारी रतन की खान।
नारी से नर होत हैं, ध्रुव प्रह्लाद समान।'

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2025 के उपलक्ष्य में कार्यालय की महिला अधिकारियों/कर्मचारियों ने डॉ. स्वीटी यादव, सहायक निदेशक(जन संपर्क) के नेतृत्व में 08 मार्च, 2025 को राष्ट्रपति भवन का भ्रमण किया । यह भ्रमण अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहा। देश के सर्वोच्च पद पर महामहिम द्रौपदी मुर्मू का आसीन होना अपने आप में महिला दिवस के अर्थ और व्यापकता को हमारे सामने रखता है। महामहिम महोदया लैंगिक भेदभाव से परे समान और सशक्त समाज की वह सुदृढ़ नींव हैं जिस पर देश की समस्त महिलाएं अपने सपनों को साकार करने का हौसला पाती हैं । हमारे देश की वर्तमान राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं । महिला दिवस के अवसर पर नारी शक्ति के केंद्र को देखना, अनुभव करना अपने आप में सुखद और प्रेरणादायी अनुभव रहा। समान अधिकार, समान अवसर और समान शक्ति के प्रतीक इस दिवस को राष्ट्रपति भवन में सेलिब्रेट करना अपने आप में बहुत सुखद रहा।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के राष्ट्रपति का आवास राष्ट्रपति भवन हमारे देश की लोकतांत्रिक परंपराओं और पंथनिरपेक्ष स्वरुप का प्रतीक है। इस भ्रमण में राष्ट्रपति भवन, गणतंत्र मंडप, अशोक मंडप, अमृत उद्यान, जयपुर

दरबार हाल, अशोका हाल आदि के साथ ही राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित राष्ट्रपति भवन संग्रहालय और परिसर में चल रहे नृत्य कार्निवल का भी आनंद लिया गया। राष्ट्रपति भवन को इतने नजदीक और विस्तार से देखने का सभी महिलाओं का यह प्रथम अनुभव था।

राष्ट्रपति भवन के साथ ही सभी महिलाओं ने मध्य प्रदेश भवन का भी भ्रमण किया। जीसस मेरी मार्ग पर स्थित इस नए मध्य प्रदेश भवन के भ्रमण के माध्यम से मध्य प्रदेश की संस्कृति को जानना अपने आप में ज्ञानवर्धक रहा।

10 मार्च, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त निदेशक (प्रभारी) द्वारा पंचदीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात् जनसंपर्क अधिकारी डा. स्वीटी यादव एवं महिला अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा पंचदीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात् महिला अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई ।

इसके उपरांत कार्यालय प्रमुख महोदय द्वारा सभी महिलाओं का पुष्प से स्वागत किया गया। कार्यालय की साज-सज्जा के साथ ही महिलाओं द्वारा केक काटा गया । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2025 के अवसर पर कार्यालय में अंत्याक्षरी, म्यूजिकल चेयर, चम्मच दौड़ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

इस अवसर पर कार्यालय की महिला कार्मिकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ यथा गीत, कविता आदि की प्रस्तुति की। कार्यालय की महिला कार्मिकों ने कविता के माध्यम से नारी शक्ति पर जोर देते कहा कि नारी कोई अबला नहीं है बल्कि वह एक शक्ति है तथा नारी शक्ति के योगदान की बात कही ।

अपने संबोधन में जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के मौके पर इस साल महिला दिवस की थीम 'कार्रवाई में तेजी' रखी गई है अर्थात् महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने और जागरुकता पैदा करने को लेकर अब कार्य की गति तेज करने की जरूरत है।

कार्यक्रम के अंत में महिला दिवस के अवसर पर कार्यालय प्रमुख ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि यह दिन न केवल महिलाओं के संघर्ष, उपलब्धियों और योगदान को याद करने का दिन है बल्कि हमें महिलाओं के सम्मान और उनके स्वाभिमान की रक्षा के लिए भी कदम उठाने चाहिए । उन्होंने बताया कि आज की नारी किस प्रकार न केवल अपने घर-परिवार को संभाल रही है बल्कि सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में भी देश की उन्नति में अपना अविस्मरणीय योगदान दे रही हैं । साथ ही कार्यालय प्रमुख प्रभारी महोदय द्वारा समाज में महिलाओं के अविस्मरणीय योगदान पर प्रकाश डालते हुए सभी महिलाओं को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया एवं प्रभारी महोदय की अध्यक्षता में सभी महिलाओं की ग्रुप फोटो भी ली गई।

इस कार्यक्रम में कार्यालय के सभी अधिकारी गण उप निदेशक श्री सचिन सिंह, श्री रविन्द्र कुमार, श्री दीपक शर्मा, श्री राजेंद्र प्रसाद भी उपस्थित रहे।

अतिथि देवो भव

'द्रोण-ज्योति' और गुरूग्राम के साथ स्मृतियों की फुहारें

पता नहीं क्यों यह लेख आग्रह के कारण लिख तो रहा हूँ परंतु अब जब बसंत पूरे यौवन पर है, सब ओर फागुन की धूम मचने वाली है और मैं उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरूग्राम के साथ अपने अनुभव साझा कर रहा हूँ। हालांकि यह आश्चर्यजनक ही है कि मैंने कभी वहां कार्य नहीं किया है, किंतु दिल्ली के निकट होने के कारण वहां कुछ कार्यक्रमों, पुस्तकालय उद्घाटन के मुख्य अतिथि तथा हिंदी कार्यशालाओं में मुख्य वक्ता के रूप में मुझे यहाँ आने का अवसर प्राप्त हुआ।

गुरूग्राम में अन्य कार्यालयों की भांति बीमाकृत व्यक्तियों से संबंधित कार्य किए जाते हैं। यहां भी हितलाभ, राजस्व, प्रशासन, रोकड़, वित्त एवं लेखा शाखाएं हैं परंतु राजभाषा से जुड़े होने के कारण यहां पर राजभाषा संबंधित कार्यों में मैंने अधिकारियों को विशेष रूचि लेते हुए देखा। कार्यालय में प्रवेश करते समय हिंदीमय वातावरण तो दिखाई देता ही है साथ ही सहज रूप में हिंदी का प्रयोग एक संतोष भी देता है। कुछ वर्ष पूर्व यहां संसदीय राजभाषा समिति का संतोषजनक तरीके से निरीक्षण हो चुका है और इसके बाद भी कार्यान्वयन कार्यों में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। निश्चित रूप से कार्यालयाध्यक्ष की रूचि यदि राजभाषा में हो तो वहां कार्य सहजता से होते जाते हैं और लक्ष्य प्राप्ति भी आसानी से हो जाती है।

बात दूरदृष्टि लक्ष्य की भी होती है। एक सामान्य से पुराने फर्नीचर से भरे कमरे को खाली करवाकर वहां हिंदी पुस्तकालय स्थापित करवाना, आधुनिक तकनीक युक्त बैठक कक्ष तैयार करवाना, हिंदी संबंधी कार्यक्रम आगे बढ़कर आयोजित कराना सब कार्यालयाध्यक्ष, हिंदी स्टाफ और कार्यालय के कार्मिकों की राजभाषा के प्रति समर्पण की भावना को दर्शाते हैं।

कार्यशालाओं में कभी-कभी यहां-वहां जाना होता है परंतु गुरूग्राम ने एक विशेष पद्धति प्रारंभ की है कि वे व्याख्याता को पौधे से सम्मानित करते हैं। हमारे यहाँ कृषि प्रधान राज्यों में हरियाणा का भी नाम आता है और उप क्षेत्रीय कार्यालय उसी हरियाली को एक प्रतीक के रूप में व्याख्याता के साथ भी साझा करते हैं। यह कहीं न कहीं भीतर तक एक संदेश भी दे जाता है कि हम शहरातियों ने आधुनिकता के नाम पर हरियाली का जो नुकसान किया है तो कुछ संदेश लेकर जाओ और अपने क्षेत्र में इन्हें पालो-पोसो, उगाओ ....।

श्याम कुमार

सचमुच ये तरीके भीतर तक संदेश देते हैं। हालांकि आज कई कार्यालय कहीं-कहीं समारोह में इसे अपना रहे हैं परंतु गुरूग्राम में इन्हें बहुत सहजता से, बिना लाग-लपेट के, बिना प्रचार किए चुपचाप हरियाली रूपी धारा में प्रवाहित कर दिया है जो अनवरत बह रही है। यूं तो लिखने के लिए अथवा यूं कहें कि अनुभवों में गुरूग्राम के साथ साझा करने के लिए बहुत कुछ है क्योंकि बहुत पहले से यहां आना-जाना रहा है। यहां के अधिकारी इतनी आत्मीयता से मिले कि वे आज भी मित्र हैं और जहां भी हैं हिंदी की मशालें और अधिक प्रकाशमय बना रहे हैं।

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरूग्राम श्रमिक वर्ग के लिए एक बहुत बड़े क्षेत्र को व्याप्त कर रहा है परंतु यह विशेष बात है कि यह कार्य कामगारों की सुविधा के लिए हिंदी में किया जा रहा है। सुविधा के साथ कार्यान्वयन, सोने के साथ सुहागा। यहां का राजभाषा विभाग, राजभाषा अधिकारी, कार्यालय अध्यक्ष, अधिकारियों, कर्मचारियों का हिंदी के प्रति प्रेम अन्य कार्यालयों के लिए भी संदेश है। हिंदी संबंधी समारोह हों या समारोहों में हिंदी दोनों में हिंदी की गंध-सुगंध मिलनी तय है।

फागुन का समय है, चारों ओर फाग का राग है परंतु इसी फागुन की मस्ती में, जल की धार की अपेक्षा जल कणों की फुहारें जब भी हवा में घुलती हैं तो मन रंगों से सरोबार हो जाता है। इन्हीं स्मृतियों से कुछ फुहार रूपी कण साझा करने का प्रयास है।

द्रोण-ज्योति का पहला अंक प्रकाशित हो रहा है। आशा है, फागुन के समय प्रकाशित हो रही यह पत्रिका विभिन्न रंगों से सूचना प्राप्त सामग्रियों से, विभिन्न रचनाओं से भरी होगी और इसकी यात्रा अनवरत चलती रहेगी।

संयुक्त निदेशक (रा.भा.), मुख्यालय

अतिथि देवो भव

विश्व हिंदी दिवस - 2025 और उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम

कुमार पाल शर्मा
संयुक्त निदेशक (कार्यान्वयन)

सत्यमेव जयते

भारत सरकार/GOVT. OF INDIA
गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग,
MINISTRY OF HOME AFFAIRS, (DEPTT. OF O.L.)
उत्तरी क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय-1 (दिल्ली)
NORTHERN REGIONAL IMPLEMENTATION OFFICE-1 (DELHI)
त्रिकूट-II, तृतीय तल, भीकाजी कामा प्लेस, आर.के.पुरम, नई दिल्ली – 110 066
TRIKOOT- II, 3RD FLOOR, BHIKAJI CAMA PLACE, R.K.PURAM, NEW DELHI- 110 066
टेलीफैक्स: 011-20867260/20867261/ ईमेल- ddriodel-dol@nic.in

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम द्वारा विश्व हिंदी दिवस-2025 समारोह के आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में मुझे आमंत्रित करने हेतु हार्दिक धन्यवाद। उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम के कार्यालय प्रमुख श्री सुनील यादव, संयुक्त निदेशक से मुझे जो स्नेह और सम्मान प्राप्त हुआ, वह सुखद अनुभवों के रूप में मुझे सदैव स्मरणीय रहेगा। इस आयोजन में सहभागिता करना एक अविस्मरणीय पल के रूप मेरी स्मृतियों में सदा अंकित रहेगा।

कार्यालय में हिंदी का सकारात्मक और उत्साहवर्धक वातावरण देखते ही बनता है। कार्यालय के प्रमुख एवं अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों का हिंदी के प्रति लगाव, सहज रुचि तथा निष्ठा का भाव सराहनीय और प्रशंसनीय है। इसके साथ ही, राजभाषा अधिकारी डॉ. स्वीटी यादव का राजभाषा कार्यान्वयन एवं मूल कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के प्रति उनकी कर्तव्य-निष्ठा एवं समर्पण सराहनीय है।

संघ सरकार के कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी होने के नाते हम सभी का यह संवैधानिक कर्तव्य है कि हम सब मिलकर हिंदी का विकास और प्रसार करें ताकि हिंदी हमारी राष्ट्रीय संस्कृति की अभिव्यक्ति का सहज एवं सशक्त माध्यम बन सके। भारत के संविधान में हिंदी के विकास और प्रसार के लिए विनिर्दिष्ट उद्देश्य की प्राप्ति हेतु कर्मचारी राज्य बीमा निगम, उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम द्वारा किए जा रहे प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। राजभाषा हिंदी जगत का हिस्सा होने के कारण मेरे लिए यह अनुभूति अत्यंत सुखद है कि यह कार्यालय राजभाषा हिंदी के प्रयोग और प्रचार-प्रसार में एक अहम् भूमिका निभा रहा है। कार्यालय के समस्त कार्मिकों को अशेष शुभकामनाएं।

(कुमार पाल शर्मा)
संयुक्त निदेशक (कार्यान्वयन)

अतिथि देवो भव

हिंदी प्रचार -प्रसार और कार्यान्वयन के प्रति प्रतिबद्ध कार्यालय

प्रोफ़ेसर पूरनचन्द टंडन
एम.फिल., पी-एच.डी., डी-लिट्
स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अनुवाद
पोस्ट एम.ए. डिप्लोमा, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान
हिन्दी-विभाग,
कला संकाय भवन
दिल्ली विश्वविद्यालय,
मौरिस नगर,
दिल्ली-110 007
दूरभाष : 27666426,
27666715,
27667725/1294

प्रतिष्ठा में,
डॉ. रवीटी मादन
सहायक निदेशक
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)

सम्माननीय डॉ. रवीटी
आपके कार्यालय में आने का सौभाग्य मिला। कार्यालय एवं मंत्रालय में हिंदी-कार्यान्वयन के प्रति आपकी रुचि, गति तथा समर्पण को प्रणाम। आपके मार्गदर्शन में सभी अधिकारी-कर्मचारी हिंदी को आत्मसात कर रहे हैं, हिंदी में कार्य करने, हिंदी सीखने और [illegible] संकल्प एवं हिंदी सेवा को करने के प्रति [illegible] बने हुए हैं। आपके कार्यालय की विभागीय पत्रिका, देखकर चित्त आनन्दित हुआ। आपके कार्यालय [illegible] हो चुके हैं, देखकर, 'श्रम ज्योति' जिसके एक से नौ अंक प्रकाशित हो चुके हैं सुखद अनुभूति हुई। 'श्रम ज्योति' को [illegible] और आत्मा को सुखद [illegible] किया जाएगा, यह भी [illegible] अब "द्रोण-ज्योति" के नाम से प्रकाशित [illegible] "द्रोण" के नाम से प्रकाशित निर्णय है। गुरुग्राम से पत्रिका का गुरु "द्रोण" [illegible] होना तर्कसंगत भी है और प्रासंगिक भी।
"श्रम ज्योति" के सभी प्रकाशित अंक, पत्रिका के कवर-विषय, भाषा, साधना के मानक-वर्तनी, मोहक-कलेवर, सभी कुछ आपकी [illegible] उत्कृष्ट हैं। आपको [illegible] हैं, सुपरिणाम परिचायक हैं। आपने ये प्रमुख [illegible] सभी अंक संग्रहणीय हैं। पत्रिका [illegible] साधना, प्रतिबद्धता अनन्त-असीम मंगलकामनाएँ। [illegible] हिंदी-कार्यान्वयन के प्रति [illegible] हैं, सराहनीय हैं। आपकी [illegible] कुशल नेतृत्व में [illegible] प्रणाम है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके [illegible] अधिक उपयोगी तथा अधिक प्रभावित होगी। "द्रोण ज्योति" अधिक सार्थक, अधिक उपयोगी तथा [illegible] किया जाता है। अन्त पत्रिका के सभी लेखकों की रचनाधर्मिता को उद्घाटित होगी, ऐसा विश्वास है। यह भाव-बोध, यह सर्जनात्मकता अधिक [illegible] ज्योति को निर्मित करने गुरु द्रोण का जीवन तथा गुरुत्व, किरणें बनाएँगे, आपकी इच्छा शक्ति "द्रोण ज्योति" को [illegible] की ओर ले जाएगा। मंगल-शुभ कामनाएँ। संकल्प, आपको सिद्धि की ओर [illegible] आपके प्रयत्नों के प्रति सम्पूर्ण हिंदी जगत की तरफ से [illegible] हिंदी को विश्व [illegible] कल्याणी। सभी का मनोबल बढ़ाते रहिए, शिखर की ओर ले जाते रहिए।

[signature]
03-03-2025

आवास : 'संकल्प'
डी-67, शुभम् एनक्लेव,
पश्चिम विहार,
नई दिल्ली-110063
दूरभाष : 2526-9614
चलभाष : 9810287732
E-mail : pctandon03@gmail.c
bap.1964@gm

अतिथि देवो भव

रचनात्मकता की ओर अग्रसर कार्यालय

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरूग्राम अपने गठन के समय से ही राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति सजग रहा है। सौभाग्य से मुझे इस कार्यालय के प्रथम राजभाषा अधिकारी के रूप में कार्य करने का अवसर भी प्राप्त हुआ है। उस समय इस शहर को गुड़गांव के नाम से जाना जाता था जिसे गुरू द्रोणाचार्य से जुड़े होने के कारण बाद में गुरूग्राम के रूप में जाना जाने लगा।

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरूग्राम की गृह पत्रिका का पहला अंक वर्ष 2011-12 में 'श्रम ज्योति' के रूप में प्रकाशित किया गया था। अब यह पत्रिका इस शहर के महत्व के अनुरूप नए नाम, नए कलेवर एवं नए रूप में प्रकाशित हो रही है। इस वर्ष विभिन्न अवसरों राजभाषा पखवाड़ा के शुभारंभ कार्यक्रम तथा हिंदी कार्यशालाओं में मुख्य वक्ता के रूप में उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरूग्राम जाने का अवसर प्राप्त हुआ, यह मेरे लिए सुखद अनुभव रहा। यहां के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साह और राजभाषा दायित्वों के प्रति समर्पण देखकर अत्यंत हर्ष हुआ। कार्यालय में प्रवेश के साथ ही विभिन्न महानुभावों की फोटो सहित उक्तियां, सभी प्रकार के सूचना बोर्डों के नए कलेवर, विभिन्न स्थानों पर लगाए गए जांच बिंदुओं और धारा 3(3) के दस्तावेजों के सुंदर तरीके से बनाए गए फ्रेम आदि से हमें कार्यालय में हिंदी के प्रति रुझान एवं प्रेम की झलक मिलनी प्रारंभ हो जाती है। कार्यशालाओं एवं चर्चाओं के दौरान कार्मिकों की जिज्ञासा से कार्यालय में हिंदी की बयार का आभास हो जाता है।

मैं स्वयं कार्यालय की गतिविधियों का लंबे समय तक साक्षी रहा हूँ। कार्यालय की हर गतिविधि, हर कार्यक्रम को उत्सव में बदलना कार्यालय की परंपरा बन गई है। इसीलिए यहां हर कार्यक्रम में नए प्रयोग देखने को मिल जाते हैं। उदाहरण के लिए राजभाषा पखवाड़ा के दौरान कार्यालय में लीक से हटकर गतिविधियां आयोजित की गई जिनमें राजभाषा विभाग द्वारा तैयार फिल्मों, रामधारी सिंह दिनकर जैसे सुप्रसिद्ध कवियों की कविताओं, मुंशी प्रेमचंद जैसे महान उपन्यासकारों के उपन्यासों पर आधारित फिल्मों तथा अन्य सूचनाप्रद वीडियो को कार्यालय के कार्मिकों के लिए बड़े पर्दे पर प्रदर्शित किया गया। कार्यालय की गतिविधियों की झलकियों को हिंदी समाचार पत्रों के माध्यम से निरंतर जन सामान्य तक पहुँचाया गया। इन क्रियाकलापों ने निगम के अन्य कार्यालयों को भी कुछ नए एवं रचनात्मक विचारों से अवगत करवाया। कार्मिकों की यही

राजेश शर्मा

रचनात्मकता नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के वर्ष 2012 के राजभाषा सम्मेलन की मेजबानी के दौरान, जो संभवतः किसी निगम कार्यालय द्वारा पहली बार की गई थी, भी देखने को मिली थी। इस सम्मेलन में कार्यालय के प्रतिभावान कार्मिकों द्वारा क.रा.बी. योजना के के हितलाभों को हिंदी की ही एक महत्वपूर्ण धारा 'हरियाणवी' की खूबसूरती में समाहित करके नाटक 'चिंता से मुक्ति' का मंचन किया गया। यह नाटक हमारे अपने कार्मिकों द्वारा स्वयं लिखा गया, कार्मिकों द्वारा स्वयं इसका निर्देशन किया गया तथा स्वयं इसमें अभिनय किया गया। इस मंचन ने नराकास के सदस्य कार्यालयों को क.रा.बी. योजना के महत्व से परिचित करवाया।

एसिक पखवाड़ा - 2025 के दौरान भी 'चिंता से मुक्ति' नाटक के माध्यम से व्यापक जनसमुदाय में निगम की विभिन्न योजनाओं का प्रसार हिंदी में किया गया। यह अपने आप में राजभाषा हिंदी के प्रति कार्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मैंने पाया कि कार्यालय ने इस रचनात्मकता को और अधिक विस्तृत एवं विकसित किया है। इसके लिए कार्यालय प्रमुख और उनके नेतृत्व में राजभाषा शाखा, विशेषकर राजभाषा अधिकारी का कार्य अत्यंत प्रशंसनीय है। कार्यालय का हिंदी के प्रति समर्पण, उत्साह एवं नेतृत्व का प्रयास पत्रिका के इस अंक में निश्चित ही देखने को मिलेगा। आशा है कि कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन में निरंतर अनुकरणीय उपलब्धियां हासिल करता रहेगा।

उप निदेशक (राजभाषा)
क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई

हिन्दी हैं हम

निगम राजभाषा सम्मेलन - मेरी प्रथम सहभागिता

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 33वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में मुझे भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। यह दो दिवसीय समारोह दिनांक 16-17 अगस्त 2024 को एर्नाकुलम, केरल में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का साक्षी होना और केरल का भ्रमण मेरे लिए एक नया और रोचक अनुभव रहा। सम्मेलन स्थल बहुत ही भव्य एवं आकर्षित करने वाला था। आगंतुकों की सुविधा के लिए प्रमुख स्थलों पर बैनर आदि प्रदर्शित किए थे जो कि बहुत ही आकर्षक और मन को मोहने वाले थे। मंच की सजावट मंत्रमुग्ध करने वाली थी। समारोह की अध्यक्षता श्री नागेश कुमार सिंह, उप महानिदेशक, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई। सम्मेलन में डॉ. अच्युतानन्द मिश्र, सहायक आचार्य, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय कालड़ी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मंचासीन श्री रत्नेश कुमार गौतम, बीमा आयुक्त के मार्गदर्शन में संपूर्ण सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में क.रा.बी. निगम के विभिन्न कार्यालयों एवं अस्पतालों के राजभाषा अधिकारी, राजभाषा प्रभारी अधिकारियों और अनुवाद अधिकारियों ने भाग लिया। सम्मेलन स्थल संपूर्ण रूप से राजभाषामय हो गया था जो कि बहुत ही मनलुभावन था।

श्री श्याम कुमार, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), मुख्यालय ने सम्मेलन में आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह निगम का 33वां अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन है। यह सम्मेलन राजभाषा कार्यान्वयन को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के साथ ही राजभाषा उपयोग एवं राजभाषा मॉड्यूल पर विशेष सत्र, पत्रिका एवं राजभाषा कार्यान्वयन के लिए श्रेष्ठ पुरस्कार, राजभाषा की चुनौतियों, ई-ऑफिस और हिंदी, मासिक प्रगति रिपोर्ट का नया प्रपत्र, कर्मचारी राज्य बीमा निगम के सोशल मीडिया प्लेटफार्म में हिंदी आदि विषयों पर केंद्रित था।

प्रारम्भ में सभी प्रतिभागियों ने अपना परिचय दिया। संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने उपस्थित राजभाषा संवर्ग के अधिकारियों एवं प्रभारियों का उत्साहवर्धन करते हुए बीमा आयुक्त महोदय के निर्देशन में हुए महत्वपूर्ण कार्यों का उल्लेख किया ।

डॉ. स्वीटी यादव

परंपरानुसार सम्मेलन का शुभारंभ पंचदीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से किया गया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए श्री रत्नेश कुमार गौतम, बीमा आयुक्त (राजभाषा) ने उप महानिदेशक एवं मुख्य अतिथि का स्वागत किया। बीमा आयुक्त महोदय ने राजभाषा अधिकारियों की एकजुटता और उनके कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नागेश कुमार सिंह, उप महानिदेशक, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का सम्मेलन में प्रतिभागिता के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि मंत्रालय के माननीय प्रतिनिधि का इस सम्मेलन में होना मंत्रालय के शामिल होने का गौरव प्रदान करता है। माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री महोदय की यह अपेक्षा रहती है कि बीमाकृत व्यक्तियों को संवैधानिक तरीके से कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली सुविधाएं आसानी से मिल सके, इसके लिए भाषा एक महत्वपूर्ण साधन है और निगम में राजभाषा हिन्दी का समुचित कार्यान्वयन इसलिए और भी अपरिहार्य हो जाता है। बीमा आयुक्त (राजभाषा) महोदय ने अपील की कि ई-फाइल, आंतरिक पत्राचार और दैनिक सरकारी कामकाज हिंदी में ही किया जाए। कार्यालय के भवन से हटकर निगम के उद्देश्यों का प्रचार-प्रसार, आउटरीच कार्यक्रमों, सोशल प्लेटफॉर्म और मीडिया के माध्यम से प्रचारित करने के लिए कार्य किया जाए। उन्होंने निगम के सोशल मीडिया आई.टी. की जानकारी दी और बताया कि इससे हमारे स्टेकहोल्डर्स को भी जानकारी आसानी से प्राप्त हो सकेगी और वे हमारे आईटी टूल्स का प्रयोग कर सकेंगे। इसके लिए पंचदीप मॉड्यूल को भी अपग्रेड किया जाना अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि हमें अपने भावी उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु विशलिस्ट बनानी होगी। उन्होंने निगम की वेबसाइट पर अपलोड की जाने

वाली सामग्री द्विभाषी रूप में करने के लिए जोर दिया। उन्होंने कहा कि आप एक-दूसरे से अपने सुझाव, अपने अनुभव साझा करें। हमें सामान्य वर्ग के लोगों को हिंदी में प्रोत्साहित कर उनसे हिंदी में काम कराना है। बीमा आयुक्त (राजभाषा) महोदय ने बीमाकृत व्यक्तियों के साथ पत्राचार हिंदी में करने और आई.टी. टूल्स में हिंदी की कमी को दूर करने के संबंध में कहा कि इसे हम आम लोगों तक पहुँचाएं। हिंदी को संप्रेषण की भाषा बनाना है इसके लिए अधिकाधिक काम हिंदी में करें।

इस अवसर पर मंचासीन अधिकारियों द्वारा 'राजभाषा के अनुदेशों का संकलन' का भी विमोचन किया गया। इसके बाद वर्ष 2022-2023 के दौरान राजभाषा नीति का सर्वश्रेष्ठ कार्यान्वयन करने वाले तथा आकर्षक एवं उत्कृष्ट विभागीय हिंदी गृह पत्रिका प्रकाशन हेतु क, ख तथा ग क्षेत्रों के कार्यालयों और अस्पतालों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ अच्युतानन्द मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी सेवा से जुड़े हिन्दी अध्यापक वर्ग और हिन्दी अधिकारी के बीच एक सहोदर का भाव है। भाषा के विकास में राजभाषा सम्मेलन जैसे आयोजन सराहनीय प्रयास है। भाषा ही मनुष्य को पशु से अलग करती है परंतु मनुष्य उस भाषा को और भी अलग-अलग तरीके से रूपांतरित कर सकता है। अनुवाद भी सृजनशीलता का उदाहरण है। सृजनात्मकता मनुष्य का अनोखा गुण है। भाषा से भावों का उत्खनन कर सकते हैं। हिन्दी की व्यापकता इसमें सहायक बनती है। भाषा के संदर्भ में यह आवश्यक है कि इसमें क्षेत्रीय भाषाओं के साहित्य को शामिल किया जाए। हिन्दी में समावेशिकता का गुण है इसीलिए राजभाषा अधिकारियों की जिम्मेदारी है वे हिन्दी के अतिरिक्त अन्य भारतीय भाषाओं से जुड़ें। हिन्दी का विकास अन्य भाषाओं के सामंजस्य तथा भारतीय चेतना द्वारा ही संभव है।

श्री नागेश कुमार सिंह, उप महानिदेशक, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने मंत्रालय द्वारा प्रथम बार प्रतिनिधि के रूप में सम्मेलन में प्रतिभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने निगम कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्रवार विश्लेषण के आधार पर अपनी टिप्पणी दी। उन्होंने प्रासंगिक उदाहरणों के माध्यम से भाषा की सहजता पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों से अनुरोध भी किया कि भाषा का दिखावा या आडंबर नहीं होना चाहिए क्योंकि भाषा व्यवहार के लिए है इसीलिए जो भाषा जितनी सरल होगी उतनी ही व्यवहार में होगी। हम अपना मूल कार्यालय कार्य हिंदी में करें। हिंदी पत्राचार बढ़ाएं। इससे हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा मिलेगा। उप महानिदेशक, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने क.रा.बी. निगम द्वारा राजभाषा सम्मेलन आयोजित कराने के प्रयास की सराहना की और पाया कि इससे राजभाषा कार्यान्वयन में वृद्धि भी होगी और संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण के समय त्रुटि भी नहीं होगी।

श्री श्याम कुमार, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), मुख्यालय ने कहा कि उप महानिदेशक महोदय अपने व्यस्ततम कार्यक्रमों के बीच राजभाषा सम्मेलन में सम्मिलित हुए हैं, यह उनकी राजभाषा के प्रति रुचि का परिचायक है। सम्मेलन में 'क' 'ख' 'ग' क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों की समस्याओं, अपेक्षाओं और समाधान पर चर्चा की गई। तत्पश्चात, 32वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों पर की गई अनुवती कार्रवाई से अवगत कराया गया।

बीमा आयुक्त (राजभाषा) महोदय ने उप महानिदेशक, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का सम्मेलन में उपस्थित रहने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी प्रतिभागियों को दो दिन सम्मेलन में सहभागिता करने के लिए धन्यवाद किया एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से हिंदी का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करने और राजभाषा नीति के अनुपालन करने का संकल्प लेने को कहा।

इसी के साथ एर्णाकुलम, केरल में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का समापन हुआ। इस अवसर पर मुझे निगम के राजभाषा अधिकारियों एवं अनुवाद अधिकारियों के साथ परिचय करने का एक अवसर मिला तथा केरल की संस्कृति और वहाँ के मनमोहक स्थल की भी सैर करने का अवसर प्राप्त हुआ।

सहायक निदेशक (राजभाषा)

निगम राजभाषा सम्मेलन-2024, एर्नाकुलम

कोई अर्थ नहीं

नित जीवन के संघर्षों से
जब टूट चुका हो अन्तर्मन,
तब सुख के मिले समन्दर का
रह जाता कोई अर्थ नहीं ॥

जब फसल सूख कर जल के बिन
तिनका तिनका बन गिर जाये,
फिर होने वाली वर्षा का
रह जाता कोई अर्थ नहीं ॥

सम्बन्ध कोई भी हों लेकिन
यदि दुःख में साथ न दें अपना,
फिर सुख में उन सम्बन्धों का
रह जाता कोई अर्थ नहीं ॥

छोटी-छोटी खुशियों के क्षण
निकले जाते हैं रोज़ जहाँ,
फिर सुख की नित्य प्रतीक्षा का
रह जाता कोई अर्थ नहीं ॥

मन कटुवाणी से आहत हो
भीतर तक छलनी हो जाये,
फिर बाद कहे प्रिय वचनों का
रह जाता कोई अर्थ नहीं ॥

सुख-साधन चाहे जितने हों
पर काया रोगों का घर हो,
फिर उन अगनित सुविधाओं का
रह जाता कोई अर्थ नहीं ॥

रामधारी सिंह दिनकर

(23 सितम्बर 1908-24 अप्रैल 1974)
जन्मस्थान- सिमरिया घाट, बेगूसराय जिला, बिहार

उल्लेखनीय रचनाएँ- कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, उर्वशी, हुंकार, संस्कृति के चार अध्याय, परशुराम की प्रतीक्षा, हाहाकार

पुरस्कार-
1959: साहित्य अकादमी पुरस्कार
1959: पद्म भूषण
1972: ज्ञानपीठ पुरस्कार

राजभाषा पखवाड़ा एवं पुरस्कार वितरण समारोह

मुख्यालय के निर्देशानुसार उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम में दिनांक 14-09-2024 से 30-09-2024 तक राजभाषा पखवाड़ा-2024 का आयोजन किया गया। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 14 सितम्बर को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित हिंदी दिवस समारोह से आरम्भ हुए इस पखवाड़े का समापन दिनांक 30-09-2024 को अपना समस्त कार्यालयी कार्य हिंदी में करने के दृढ़ संकल्प के साथ किया गया। शुभारंभ तथा समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यालय अध्यक्ष श्री विकास कुण्डल, निदेशक(प्रभारी) द्वारा की गई। राजभाषा पखवाड़ा के दौरान की गई विभिन्न गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार है :-

1. राजभाषा पखवाड़ा के दौरान 17.09.2024 को एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री राजेश शर्मा, उप निदेशक(राजभाषा) को व्याख्याता के तौर पर आमंत्रित किया गया। कार्यालय प्रमुख ने श्री राजेश शर्मा, उप निदेशक(राजभाषा) को शॉल, श्रीफल एवं पौधे का गमला भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर सहायक निदेशक (रा.भा.) डॉ. स्वीटी यादव द्वारा गृह मंत्री के हिंदी दिवस संदेश का वाचन किया। साथ ही इस दिन कार्यालय अध्यक्ष श्री विकास कुण्डल, निदेशक(प्रभारी) की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समीक्षा बैठक का आयोजन भी किया गया।

2. दिनांक 18.09.2024 को राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें हिंदी भाषी क्षेत्र से 21 तथा हिंदीतर भाषी क्षेत्र से 02 कर्मचारियों ने भाग लिया।

3. दिनांक 19.09.2024 को हिन्दी टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी भाषी क्षेत्र से 18 तथा हिंदीतर भाषी क्षेत्र से 02 कर्मचारियों ने भाग लिया।

4. दिनांक 20.09.2024 को हिन्दी निबंध प्रतियोगिता व हिन्दी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में हिंदी भाषी क्षेत्र से 17 कर्मचारियों ने भाग लिया तथा वाक् प्रतियोगिता में हिंदी भाषी क्षेत्र से 8 तथा हिंदीतर भाषी क्षेत्र से 01 कर्मचारी ने भाग लिया।

5. दिनांक 20.09.2024 को रामधारी सिंह दिनकर की कविता 'रात यूँ कहने लगा' का सभाकक्ष में डिजीटल स्क्रीन पर प्रदर्शन किया गया। कविता प्रदर्शन के दौरान कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी सभाकक्ष में उपस्थित थे।

6. दिनांक 23.09.2024 को जयशंकर प्रसाद की कविता 'आँसू' एवं हरिवंशराय बच्चन की कविता 'मधुशाला' का सभाकक्ष की डिजीटल स्क्रीन पर प्रदर्शन किया गया।

7. दिनांक 24.09.2024 को मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास 'गोदान' पर आधारित 'गोदान' फिल्म का सभाकक्ष की डिजीटल स्क्रीन पर प्रदर्शन किया गया।

8. दिनांक 25.09.2024 को अज्ञेय की कविता 'उड़ चल हारिल' का सभाकक्ष की डिजीटल स्क्रीन पर प्रदर्शन किया गया।

पखवाड़े के दौरान हिंदी फिल्म, गीत आदि को बड़े पर्दे पर दिखाने का मुख्य उद्देश्य था-हिंदी सृजन को जानना

और समय-समाज को हिंदी के संदर्भ में जानना। हिंदी की बनावट और बुनावट को सिनेमा के इन माध्यमों से और बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। अनेक अर्थ, अनेक सम्भावनाएँ, एक शब्द के अनेक अर्थों में गुँथी हुई हिंदी गीत, नाटक, उपन्यास आदि विधाओं के माध्यम से न केवल बांधती है बल्कि सोचने पर मजबूर भी कर देती हैं।

9. दिनांक 26.09.2024 को हिन्दी संगोष्ठी सह कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता प्रोफेसर पूरनचंद टंडन, दिल्ली विश्वविद्यालय उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि को शॉल, श्रीफल एवं पौधे का गमला भेंट कर उनका स्वागत किया। राजभाषा हिन्दी के संबंध में अपने वक्तव्य में प्रोफेसर टंडन ने कहा कि हमें अपने राष्ट्र, राष्ट्रध्वज, राष्ट्रीय गान की तरह ही हिन्दी भाषा को सम्मान देना चाहिए। हिन्दी बोलने और लिखने में गौरव महसूस करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिन्दी पूरे देश में बोली और समझे जाने वाली भाषा है तथा हिंदीतर भाषी राज्यों में एक संपर्क भाषा के रूप में कार्य करती है। इस तरह यह पूरे देश को एक सूत्र में पिरोती है।

10. दिनांक 26.09.2024 को हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि प्रोफेसर पूरनचंद टंडन, दिल्ली विश्वविधालय उपस्थित हुए।

11. दिनांक 26.09.2024 को राजभाषा हीरक जयंती के अवसर पर राजभाषा विभाग द्वारा निर्मित फिल्म 'स्वतंत्र भारत की राजभाषा' का सभाकक्ष की बड़ी स्क्रीन पर प्रदर्शन किया गया।

12. राजभाषा पखवाड़े के दौरान कार्यालय के सभी अधिकारियों के कक्षों तथा प्रमुख स्थानों पर धारा 3(3) और जांच बिंदु के बोर्ड लगाए गए।

13. कार्मिकों की सख्या के अनुसार प्रशासनिक शब्दावली (अंग्रेजी-हिंदी) की प्रतियां खरीदी गई तथा कार्मिकों को वितरित की गई।

14. माह के प्रत्येक दिन हिंदी में सुविचार तथा अंग्रेजी से हिंदी शब्दों का रूपांतर डिजिटल बोर्ड और व्हाइट बोर्ड पर प्रदर्शित किया गया।

15. अधीनस्थ सभी शाखा कार्यालयों व सभी शाखाओं में प्रतिदिन प्रयोग में आने वाली छोटी-छोटी नेमी टिप्पणियों की सूची उपलब्ध कराई गई।

16. दिनांक 30-9-2024 को राजभाषा पखवाड़ा-2024 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंचदीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया। उप निदेशक श्री सचिन सिंह द्वारा कार्यालय प्रमुख को प्लांट पॉट भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यालय प्रमुख श्री विकास कुण्डल ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम के महानिदेशक की अपील का वाचन किया। डॉ. स्वीटी यादव सहायक निदेशक(रा.भा.) ने 17 सितंबर से 29 सितंबर के दौरान हुईं राजभाषा सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। तदुपरांत श्री विकास कुण्डल (प्रभारी) महोदय द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और मग प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यालय प्रमुख ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में सभी को अपना समस्त कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नियमों, अधिनियमों के साथ ही आज हिंदी को अपने अंतर्मन से अपनाने की आवश्यकता है। जिस भाषा में हमारा बचपन बीता, उसे अपनाने और प्रयोग करने में हमें गर्व होना चाहिए क्योंकि हिंदी महज भाषा नहीं है बल्कि माँ है जो हमको रचती है। कार्यालय प्रमुख ने पखवाड़े के दौरान किए गए कार्यों के लिए राजभाषा शाखा की प्रंशसा की।

इस अवसर पर श्री सचिन सिंह, (उप निदेशक), श्री रवींद्र कुमार, (सहायक निदेशक), श्री दीपक शर्मा, (उप निदेशक) एवं श्री राजेन्द्र प्रसाद, (सहायक निदेशक) ने भी अपने उदबोधन में सभी कार्मिकों को अपना शत-प्रतिशत

कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित किया। समारोह के आयोजन की व्यवस्था व देखरेख श्री पवन कुमार (व.अ.अ.) तथा श्री बिरजू सिंह, (क.अ.अ.) द्वारा की गई। इस आयोजन से सभी कार्मिकों में एक नयी ऊर्जा का संचार हुआ। यह पखवाड़ा पूरे वर्ष भर और अधिक ऊर्जा के साथ हिंदी में कार्य करने की प्रेरणा देता रहे, इसी संकल्प के साथ पखवाड़े का समापन किया गया।

राजभाषा पखवाड़ा 2024-की झलकियाँ

हिन्दी हैं हम

राजभाषा हीरक जयंती और चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 14-15 सितंबर 2024 को हिंदी दिवस के सुअवसर पर राजभाषा हीरक जयंती समारोह और चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने की। इसके साथ ही इस कार्यक्रम में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, राज्यसभा उपसभापति हरिवंश, विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, पूर्व गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा और राज्यसभा संसद सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने भाग लिया।

हिंदी के राजभाषा बनने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया। साथ ही माननीय गृह मंत्री द्वारा 'राजभाषा भारती' पत्रिका के हीरक जयंती विशेषांक का लोकार्पण किया गया तथा राजभाषा गौरव तथा राजभाषा कीर्ति पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

इस अवसर पर माननीय गृह मंत्री द्वारा भारतीय भाषा अनुभाग का शुभारंभ इस उद्घोष के साथ किया गया कि भारतीय भाषा अनुभाग हिंदी के किसी भी लेख, भाषण या पत्र का देश की सभी भाषाओं में अनुवाद करेगा तथा भारतीय भाषा अनुभाग राजभाषा विभाग का पूरक अनुभाग बनेगा।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने हिंदी दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। गृह मंत्री ने कहा कि यह पावन दिन हम सबके लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि 14 सितंबर 1949 को भारत की संविधान सभा ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। श्री अमित शाह ने कहा कि इसके 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं और हम इस वर्ष राजभाषा की हीरक जयंती मनाने जा रहे हैं। 75 वर्षों की यह यात्रा हिंदी, राजभाषा और हमारे सभी राज्यों की संबंधित भाषाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं लेकिन आज इस मुकाम पर खड़े होकर वे निश्चित रूप से कह सकते हैं कि हिंदी का किसी स्थानीय भाषा से कोई मुकाबला नहीं है।

माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है। उन्होंने कहा कि चाहे गुजराती हो, मराठी हो, तेलुगु हो, मलयालम हो, तमिल हो या बांग्ला हो, हर भाषा हिंदी को मजबूत करती है और हिंदी हर भाषा को मजबूत करती है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अगर हम हिंदी आंदोलन को ध्यान से देखें तो चाहे राजगोपालाचारी जी हों, महात्मा गांधी हों, सरदार वल्लभभाई पटेल हों, लाला लाजपत राय हों, नेताजी सुभाष चंद्र बोस हों या आचार्य पलानी हों, ये सभी गैर-हिंदी भाषी क्षेत्रों से आए थे। उन्होंने कहा कि श्री अयंगर और श्री केएम मुंशी के नेतृत्व में गठित समिति ने हिंदी को राजभाषा के रूप में मान्यता देने और हिंदी तथा हमारी सभी भाषाओं को मजबूती देने के लिए संविधान सभा में रिपोर्ट पेश की थी। ये दोनों नेता भी गैर-हिंदी भाषी क्षेत्रों से थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में हिंदी और स्थानीय भाषाओं को मजबूत करने के लिए अनेक प्रयास किए गए है। मोदी जी ने अनेक अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर गर्व के साथ हिंदी में संबोधन किया है और देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में हिंदी के महत्व को सामने रखा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री जी ने देश के अंदर हमारी भाषाओं के प्रति गौरव की भावना को भी बढ़ाया है। इन 10 वर्षों में हमने कई भारतीय भाषाओं को मजबूत करने के लिए बहुत प्रयास किए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में देने को महत्वपूर्ण स्थान देकर हमारी सभी भाषाओं और हिंदी को नया जीवन दिया है।

माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि हमने इन 10 वर्षों में एक उपकरण 'कंठस्थ' विकसित किया है। हमने पिछले 10 वर्षों में संसदीय राजभाषा समिति की चार रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं और सरकारी कामकाज में हिंदी को प्रमुखता से स्थापित करने का काम किया है। आने वाले दिनों में राजभाषा विभाग आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध सभी भाषाओं में हिंदी से अनुवाद के लिए एक पोर्टल भी ला रहा है जिसके माध्यम से हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके बहुत ही कम समय में किसी भी पत्र या भाषण का सभी भाषाओं में अनुवाद कर सकेंगे। गृह मंत्री ने कहा कि उनका मानना है कि इससे हिंदी और स्थानीय भाषाओं को बहुत बल मिलेगा।

हिंदी की महत्ता को उजागर करते हुए माननीय गृह मंत्री ने कहा कि हमारी भाषाएँ दुनिया की सबसे समृद्ध भाषाओं में से हैं। हिंदी हमें और हमारी सभी भाषाओं को जोड़ती है। उन्होंने कहा कि संविधान सभा की भावना थी कि देश के सभी नागरिक एक दूसरे से किसी भारतीय भाषा में संवाद करें, चाहे वह हिंदी हो, तमिल हो, तेलुगु हो, मलयालम हो या गुजराती हो। हिंदी को मजबूत करने से ये सभी भाषाएँ भी लचीली और समृद्ध बनेंगी और एकीकरण की प्रक्रिया से सभी भाषाएँ हमारी संस्कृति, इतिहास, साहित्य, व्याकरण और हमारे बच्चों के संस्कार को भी आगे बढ़ाएंगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इसलिए मैं सभी देशवासियों से अपील करना चाहता हूँ कि हिंदी दिवस के अवसर पर हम सब मिलकर संकल्प लें, हिंदी और अपनी स्थानीय भाषाओं को मजबूत करें और राजभाषा विभाग के इस कार्य में सहयोग दें।

उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों और विद्वानों ने हिंदी की प्रगति और प्रचार-प्रसार पर गहन विचार-विमर्श किया। समारोह के दौरान राजभाषा हिंदी को प्रभावी तरीके से लागू करने वाले सरकारी कार्यालयों और संस्थानों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा हिंदी साहित्य एवं फिल्म निर्माण से जुड़े प्रख्यात कलाकार अनुपम खेर, फिल्म निर्माता-निर्देशक चंद्रप्रकाश द्विवेदी और कवि कुमार विश्वास ने भी इस समारोह में विभिन्न चर्चाओं में भाग लेकर हिंदी के गौरव और इतिहास की समृद्ध परंपरा को सबके सामने रखा।

हिन्दी हैं हम

विश्व हिंदी दिवस - 2025

विश्व हिंदी दिवस-2025 के उपलक्ष्य में दिनांक 10-01-2025 को उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम द्वारा एक दिवसीय पूर्णकालिक हिंदी कार्यशाला सह संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कुल 46 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

हिंदी कार्यशाला सह संगोष्ठी कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक(कार्यान्वयन), भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली एवं कार्यालय अध्यक्ष श्री सुनील यादव, संयुक्त निदेशक(प्रभारी) महोदय की अध्यक्षता में सरस्वती वंदना के साथ पंचदीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यालय प्रमुख ने शॉल, प्लांट पॉट और श्रीफल भेंटकर मुख्य अतिथि महोदय का स्वागत एवं आतिथ्य सत्कार किया। श्री रविन्द्र कुमार, सहायक निदेशक द्वारा श्री सुनील यादव, संयुक्त निदेशक महोदय को प्लांट पॉट भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया।

विश्व हिंदी दिवस-2025 की थीम "एकता और सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज" के आधार पर आयोजित कार्यक्रम में कार्यालय प्रमुख द्वारा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संदेश का वाचन किया गया। तदुपरांत प्रतिभागियों द्वारा कविता, गीत, गजल आदि के साथ सांस्कृतिक गतिविधियां भी प्रस्तुत की गई।

विश्व हिंदी दिवस 2025 के उपलक्ष्य में हिंदी के प्रयोग और प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से कार्यालय की हितलाभ शाखा को राजभाषा के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए अंतर-शाखा कार्यालयी राजभाषा चल शील्ड योजना के अंतर्गत शील्ड एवं प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

विश्व हिंदी दिवस समारोह के मुख्य अतिथि श्री कुमार पाल शर्मा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें हिंदी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाना है जो कि इसके प्रचार-प्रसार से ही संभव हो पाएगा। अतः हम सब को मिलकर हिंदी के लिए सदैव तत्पर एवं कार्यरत रहना है। उन्होंने कहा कि माँ, मातृभाषा और मातृभूमि के बारे में यदि कोई कुछ कह देता है तो किसी को भी बर्दाश्त नहीं होता है। जब हम बहुत खुश होते है या दुखी होते है तो हम अपनी मातृभाषा में ही अपनी भावनाएं प्रकट करते हैं। अपने वक्तव्य को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि विविधता में एकता ही हमारे देश की पहचान है और इस पहचान का माध्यम है हिंदी। अतः हमें मन, वचन और कर्म से हिंदी को अपनाना चाहिए।

श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक(का.) ने राजभाषा हिंदी के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान देते हुए कहा कि जो भाषा हम सर्वप्रथम सीखते हैं तथा जिसको मातृभाषा कहते है वह हमें माँ ही सिखाती है और मातृभाषा के बिना मातृभूमि की कल्पना नहीं की जा सकती तथा तीनों पर गर्व करना बहुत जरूरी है। माँ पढ़ी हो या न पढ़ी हो, शिक्षित हो, या न शिक्षित हो सभी माँ पर गर्व करते हैं। जो गर्व नहीं करेगा तो मैं समझता हूँ कि शायद मानव कहलाने लायक तो नहीं होगा। मातृभाषा पर भी जिसको गर्व न हो तो वो कितनी भी भाषाएँ सीख ले लेकिन उसकी जो खुशी अपनी भाषा से मिलती है उसकी कोई तुलना नहीं होती है। यह कितनी अद्भुत बात है कि चाहे पीड़ा हो चाहे खुशी हो और चाहे सपने हों, उनका अनुभव जो होता है अपनी भाषा में होता है और जब आप इन्हें व्यक्त करते हैं तो भी अपनी भाषा में ही व्यक्त करते हैं। जब आप खुश होते हैं तो आप कौन सी भाषा बोलते हैं और जब आप दुखी होते हैं तो कौन सी भाषा बोलते हैं, वो है आपकी मातृभाषा। मातृभूमि कोई भौगोलिक सीमाएं नहीं है। अगर उस मातृभूमि में अपनी संस्कृति न हो, अपने मूल्य न हो, विश्वास न हो तो वो राष्ट्र समाप्त हो जाता है, वो मातृभूमि नहीं रहती है, कोई न कोई उसे छीन लेता है और इस मातृभूमि की रक्षा के लिए मातृभूमि में संस्कृति के संचार के लिए, विकास के लिए जो भाषा चाहिए, वो है आपकी अपनी भाषा मातृभाषा।

अपने वक्तव्य को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर अपने उद्बोधन में एक पंक्ति का उल्लेख किया है, उसका अर्थ है कि भारत विविधताओं का देश है, ये विविधताएं भाषाओं की हैं, रहन सहन के तरीकों की हैं, हमारें मूल्यों और विश्वासों की हैं।

आप भारत में कहीं भी चले जाइए, न एक रंग मिलेगा न भाषा एक मिलेगी बल्कि मौसम भी अलग-अलग हैं तो कितना सौन्दर्य है ये। ये विविधता सौन्दर्य का कारक है। भारत सौन्दर्य से पूर्ण देश है इसलिए कहते हैं कि भारत में विविधता है और इस विविधता को बनाए रखना, इस विविधता का मान रखना हम सब का कर्तव्य है। लेकिन एक और बात भी है विविधता में एकता, यह एकता क्या है? आपने कभी सोचा है? वो है आत्मा और भारत की आत्मा क्या है? भारत की सोच । भारत की आत्मा न स्त्री है न पुरुष है, उससे भी परे है यानि हम सब समान हैं इसलिए हम 'वसुधैव कुटुम्बकम्' कहते हैं और इस आत्मा की अभिव्यक्ति का माध्यम है - हिन्दी। भारत की आत्मा है भारत की संस्कृति और भारत की संस्कृति की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है हिन्दी । इसलिए आपने बहुत बार सुना होगा कि कई लोग अपने भाषणों में संविधान के अनुच्छेद 351 का उल्लेख करते हैं जिसमें ये जिक्र किया गया है कि संघ सरकार का कर्तव्य होगा कि वो हिंदी का विकास करें, हिंदी का प्रसार करे ताकि हिंदी भारत की संस्कृति में सामासिक संस्कृति का माध्यम बन सके।

माँ मातृभाषा और मातृभूमि इसका सम्मान और इसकी सेवा इनकी संतानों के द्वारा ही की जाती है। अगर इनकी संतान यानि माँ के पुत्र, पुत्रियाँ, मातृभूमि के नागरिक और मातृभाषा के बोलने वाले इनका सम्मान नहीं करेंगे तो फिर कौन करेगा? जब सविंधान का अनुच्छेद 351 यह कहता है कि संघ सरकार का यह कर्तव्य होगा कि वो हिंदी का प्रचार-प्रसार करे ताकि हिंदी भारत की सामासिक संस्कृति की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके।

मुख्य अतिथि ने विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी प्रचार-प्रसार पर बल देते हुए कहा कि यह हमारा संवैधानिक कर्तव्य है कि हम हिंदी का प्रसार करें, हिंदी में काम करें। संविधान में भी इसके लिए निर्देश दिए गए है।

इसके बाद श्री राजेन्द्र प्रसाद-सहायक निदेशक एवं श्री रविन्द्र कुमार-सहायक निदेशक ने भी हिंदी की महत्ता पर अपने विचार प्रकट किए ।

विश्व हिंदी दिवस -2025 की झलकियाँ

कार्यालय प्रमुख श्री सुनील यादव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है जो हमारे हृदय के सबसे करीब है तथा हमें हिंदी का सम्मान तथा प्रचार-प्रसार करना चाहिए । आगे उन्होंने कहा कि हमारे निगम का हिंदी से बहुत ही गहरा संबंध है । निगम का आधार या कहें नींव अर्थात् बीमाकृत व्यक्तियों की भाषा हिंदी या कहें हिंदी की बोलियाँ हैं । अतः हमें अपने अन्तर्मन से हिंदी को अपनाना चाहिए ।

तदुपरांत नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति गुरुग्राम के तत्वाधान में आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रभारी महोदय एवं मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही हिंदी कार्यशाला सह संगोष्ठी के प्रतिभागियों को कार्यालय प्रमुख एवं मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए ।

डॉ. स्वीटी यादव ने मुख्य अतिथि, कार्यालय प्रमुख एवं उपस्थित अधिकारियों का उनकी सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि विश्व में हिंदी की पहचान और महत्व के उद्देश्य को अपने में समेटे हुए यह दिवस न केवल राष्ट्रभाषा के गौरव की गूंज करता है बल्कि इसके समृद्ध इतिहास को भी सामने लाता है ।

कबीर

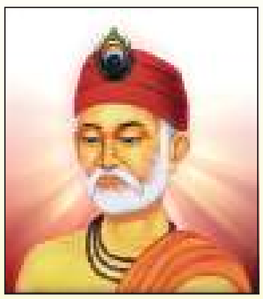

जहाँ दया तहाँ धर्म है, जहाँ लोभ तहाँ पाप ।
जहाँ क्रोध तहाँ काल है, जहाँ क्षमा तहाँ आप ॥
दोहे का अर्थ – जहाँ दया है वहीं धर्म है और जहाँ लोभ है वहाँ पाप है, और जहाँ क्रोध है वहाँ काल (नाश) है और जहाँ क्षमा है वहाँ स्वयं भगवान होते हैं ।

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को शीतल करै, आपहु शीतल होय।।
दोहे का अर्थ – मान और अहंकार का त्याग करके ऐसी वाणी में बात करें कि औरों के साथ-साथ स्वयं को खुशी मिले। अर्थात् मीठी वाणी से ही दिल जीते जाते हैं।

मोकों कहाँ ढूँढ़े बंदे, मैं तो तेरे पास में। ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में।
ना तो कौन क्रिया-कर्म में, नहीं योग बैराग में। खोजी होय तो तुरतै मिलिहौं, पल भर की तलास में।
कहैं कबीर सुनो भाई साधो, सब स्वाँसों की स्वाँस में।
कबीर ने कहा है कि ऐ बंदे, तू मुझे कहाँ ढूँढ़ता फिर रहा है, मैं तो तेरे पास ही हूँ।
न मैं मंदिर में मिलूँगा, न मस्जिद में, न काबे और कैलाश में, न पूजा-पाठ में, न योग-बैराग में।
सच्चे मन से खोजने वाला हो तो उसे मैं पल-भर की तलाश में मिल जाऊँगा। कबीर कहते हैं, भाई साधु सुनो, वह तो हर साँस में मौजूद है।

हिन्दी हैं हम

हिंदी कार्यशाला सह संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति गुरुग्राम के तत्वाधान में दिनांक 17 मार्च से 21 मार्च 2025 तक उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम में 05 दिवसीय पूर्णकालिक हिंदी कार्यशाला सह संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली के संकाय अधिकारियों द्वारा व्याख्यान देकर प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया।

हिंदी कार्यशाला सह संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण का शुभारंभ दिनांक 17 मार्च 2025 को मुख्य अतिथि श्री नरेश कुमार-संयुक्त निदेशक एवं श्रीमती लेखा सरीन-सहायक निदेशक केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली तथा कार्यालय प्रमुख श्री सुनील यादव, संयुक्त निदेशक(प्रभारी) महोदय की अध्यक्षता में सरस्वती वंदना के साथ पंचदीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यालय प्रमुख ने शॉल, श्रीफल और प्लांट पॉट भेंटकर मुख्य अतिथि महोदय का अभिनंदन एवं आतिथ्य सत्कार किया।

पांच दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति गुरुग्राम के सदस्य कार्यालयों द्वारा नामित 21 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

प्रशिक्षण के शुभारंभ कार्यक्रम में श्री नरेश कुमार ने बताया कि केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो वर्ष 1971 से केंद्रीय सरकार के कार्मिकों को अनुवाद कार्य में प्रशिक्षित कर रहा है तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालयों के अनुवाद कार्य को निष्पादित कर रहा है । उन्होंने बताया कि अनुवाद भाषाओं के मध्य एक सेतु का कार्य करता है । क्षेत्र चाहे कोई भी हो अनुवाद की आवश्यकता परम महत्वपूर्ण है।

श्रीमती लेखा सरीन ने कहा कि अनुवाद ही एक ऐसा माध्यम है जिससे हम किसी अन्य भाषा में लिखी गई बातों को अपनी भाषा में समझ सकते हैं।

कार्यालय प्रमुख श्री सुनील यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस कार्यालय द्वारा यह एक नया प्रयोग है जिसमें केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के संकाय अधिकारियों का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने सभी प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें जीवन में हमेशा कुछ न कुछ नया सीखते रहना चाहिए और यह हिंदी कार्यशाला सह अनुवाद प्रशिक्षण एक नवप्रयोग एवं नवाचार है।

शुभारंभ कार्यक्रम के समापन में डॉ. स्वीटी यादव-सहायक निदेशक ने केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के अधिकारियों, कार्यालय प्रमुख एवं प्रतिभागियों का साधुवाद करते हुए कहा कि हमें सीखना कभी बंद नहीं करना चाहिए। प्रशिक्षण एक निरंतर प्रक्रिया है तथा जीवन के प्रत्येक कार्य और क्षेत्र में हम हमेशा कुछ न कुछ सीखते है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन कार्यालय प्रमुख श्री सुनील यादव-संयुक्त निदेशक(प्रभारी) की अध्यक्षता में हुआ जिसमें केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली से संयुक्त निदेशक श्री नरेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही श्रीमती लेखा सरीन, सहायक निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। श्री नरेश कुमार ने अपने वक्तव्य में अनुवाद का कार्यालयी कामकाज में महत्व बताते हुए कहा कि अनुवाद से सूचना, ज्ञान और विचारों का प्रसार होता है। समापन के अवसर पर श्रीमती लेखा सरीन ने गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को खुशनुमा बना दिया।

प्रशिक्षण के अंतिम दिन तथा समापन अवसर पर कार्यालय प्रमुख श्री सुनील यादव ने कहा कि कार्यालय के लिए यह प्रशिक्षण एक उपलब्धि है। अपने वक्तव्य को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि आज जबकि हमारी केंद्र सरकार हिंदी प्रयोग, प्रचार-प्रसार और प्रोत्साहन पर विशेष बल दे रही है ऐसे में हमारा यह परम दायित्व बन जाता है कि हम मन-वचन-कर्म से हिंदी को अपनाएँ, हिंदी में कार्य करें, साथ ही दूसरों को भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करें ।

समापन पर प्रतिभागियों से फीडबैक प्राप्त की गई तथा केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ

नराकास में हम

नराकास गुरुग्राम द्वारा उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम की गृह पत्रिका श्रम ज्योति, अंक-9, वर्ष: 2023-24 द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित

श्री अमित कुमार, प्रवर श्रेणी लिपिक को नराकास द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में क्रमश:प्रथम, द्वितीय एवं द्वितीय स्थान प्राप्त होने पर प्रभारी महोदय द्वारा सम्मानित

कार्यालय में आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं/प्रोत्साहन/प्रशिक्षण योजनाओं में विजेताओं/प्रतिभागियों की सूची

मूल हिंदी टिप्पण आलेखन पुरस्कार योजना, वर्ष 2023-24 के अंतर्गत पुरस्कृत अधिकारी कर्मचारी

क्रम संख्या	नाम श्री/श्रीमती/कुमारी	पदनाम	कर्मचारी संख्या	प्राप्त स्थान	पुरस्कार राशि
1	पिंकी रानी	प्रवर श्रेणी लिपिक	172334	प्रथम	5000/-
2	मनोज कुमार	सहायक	151120	प्रथम	5000/-
3	दिनकर	अवर श्रेणी लिपिक	139603	द्वितीय	3000/-
4	अंकुर कोहली	प्रवर श्रेणी लिपिक	171976	द्वितीय	3000/-
5	गौरव कुमार यादव	प्रवर श्रेणी लिपिक	172055	द्वितीय	3000/-
6	असीम मुखर्जी	प्रवर श्रेणी लिपिक	171841	तृतीय	2000/-
7	गीता तनेजा	कार्यालय अधीक्षक	113105	तृतीय	2000/-
8	हेमंत कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	190558	तृतीय	2000/-
9	कर्ण सिंह	प्रवर श्रेणी लिपिक	138282	तृतीय	2000/-
10	सुनील	सहायक	171855	तृतीय	2000/-

हिंदी डिक्टेशन प्रोत्साहन योजना, वर्ष 2023-24 के अंतर्गत पुरस्कृत अधिकारी

पुरस्कृत अधिकारी	पुरस्कार राशि
राजेश यादव (हिंदी भाषी)	5000/-

सत्र जुलाई 2025 में हिंदी टंकण प्रशिक्षण प्राप्त कार्मिकों की सूची

क्रम सं.	नाम श्री/श्रीमती/कुमारी	पदनाम
1	नवीता आर्य	प्रवर श्रेणी लिपिक
2	पिंकी रानी	प्रवर श्रेणी लिपिक
3	सुमन	प्रवर श्रेणी लिपिक
4	मीतू यादव	प्रवर श्रेणी लिपिक
5	गौरव यादव	प्रवर श्रेणी लिपिक
6	मोनिका	प्रवर श्रेणी लिपिक
7	शुभम सारंग	प्रवर श्रेणी लिपिक
8	नेहा	प्रवर श्रेणी लिपिक
9	ज्योति	प्रवर श्रेणी लिपिक
10	हीना मेहता	प्रवर श्रेणी लिपिक
11	सतीश	प्रवर श्रेणी लिपिक
12	हेमन्त कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक
13	धर्मबीर सिंह	प्रवर श्रेणी लिपिक
14	पुष्पा	अवर श्रेणी लिपिक

प्रेमचंद

जहाँ सच्चा सौंदर्य, प्रेम है, प्रेम की विस्तृति है, वहाँ कमजोरियाँ कहाँ रह सकती है? प्रेम ही तो आध्यात्मिक भोजन है और सारी कमजोरियाँ इसी भोजन के न मिलने अथवा दूषित भोजन के मिलने से पैदा होती है। कलाकार हममें सौंदर्य की अनुभूति उत्पन्न करता है और प्रेम की उत्कंठा। उसका एक वाक्य, एक शब्द, एक संकेत इस तरह हमारे अन्दर जा बैठता है कि हमारा अन्तःकरण प्रकाशित हो जाता है।

साहित्य हमारे जीवन को स्वाभाविक और स्वाधीन बनाता है। दूसरे शब्दों में, उसी की बदौलत मन का संस्कार होता है। यही उसका मुख्य उद्देश्य है।

हिंदी प्रयोग प्रोत्साहन योजना, वर्ष- 2024 के अंतर्गत पुरस्कृत अधिकारी/कर्मचारी

क्रम सं.	नाम (श्री/श्रीमती/कुमारी)	पदनाम	कर्मचारी संख्या
1	सचिन सिंह	उप निदेशक	191216
2	दीपक शर्मा	उप निदेशक	191205
3	सन्नी कुशवाहा	उप निदेशक	190986
4	रविन्द्र कुमार	सहायक निदेशक	144616
5	राजेन्द्र प्रसाद	सहायक निदेशक	144780
6	पूजा कार्यालय	अधीक्षक	176997
7	सीमा कपूर	कार्यालय अधीक्षक	104357
8	पूजा जोशी	कार्यालय अधीक्षक	189209
9	आशीष साहू	कार्यालय अधीक्षक	176986
10	श्रीभगवान	सहायक	117026
11	तसबीर सिंह	सहायक	122092
12	महेन्द्र सिंह	सहायक	119687
13	सोमबीर	सहायक	122629
14	देवेन्द्र	सहायक	122948
15	भीमसेन	सहायक	125205
16	उमेश कुमार	सहायक	138715
17	जदुनाथ प्रधान	सहायक	122776
18	सतीश कुमार	सहायक	119690
19	किशनलाल	सहायक	139245
20	सुनील	सहायक	171855
21	संदीप	सहायक	161188
22	मनोज कुमार	सहायक	151120
23	लवकुश गुप्ता	सहायक	139459
24	सुनील कुमार	सहायक	151107
25	दिशा सैनी	सहायक	139585
26	रवि शर्मा	सहायक	172361
27	वंदना कुमारी	प्रवर श्रेणी लिपिक	159979
28	सिकंदर यादव	प्रवर श्रेणी लिपिक	138594
29	सुशील	प्रवर श्रेणी लिपिक	139266
30	परमानंद	अवर श्रेणी लिपिक	139253
31	राकेश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	139990
32	असीम मुखर्जी	प्रवर श्रेणी लिपिक	171841
33	पिंकी रानी	प्रवर श्रेणी लिपिक	172334
34	आरती	प्रवर श्रेणी लिपिक	191079
35	नीमा भट्ट बहुगुणा	प्रवर श्रेणी लिपिक	147347
36	अंकित कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	174147
37	विनीत चौधरी	प्रवर श्रेणी लिपिक	191259
38	जितेंद्र कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	117000
39	दिनकर	प्रवर श्रेणी लिपिक	139603
40	नेहा	प्रवर श्रेणी लिपिक	190563
41	अविचल	प्रवर श्रेणी लिपिक	190573
42	हीना मेहता	प्रवर श्रेणी लिपिक	190567
43	धर्मवीर सिंह	प्रवर श्रेणी लिपिक	190652
44	गौरव कुमार यादव	प्रवर श्रेणी लिपिक	172055
45	मीतू यादव	प्रवर श्रेणी लिपिक	172341
46	जितेंद्र कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	139251
47	नवीन कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	172422
48	सुमित	प्रवर श्रेणी लिपिक	171957
49	मुकेश कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	191104
50	कर्ण सिंह	प्रवर श्रेणी लिपिक	138282
51	पुष्पा	अवर श्रेणी लिपिक	139267
52	सुमन	प्रवर श्रेणी लिपिक	173253
53	दीपक शर्मा	प्रवर श्रेणी लिपिक	190665
54	करन	प्रवर श्रेणी लिपिक	175415
55	मोनिका	प्रवर श्रेणी लिपिक	175676
56	शुभम सारंग	प्रवर श्रेणी लिपिक	190572
57	सतीश	प्रवर श्रेणी लिपिक	190571
58	हेमंत कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	190558
59	नवीता आर्य	प्रवर श्रेणी लिपिक	188954
60	रिंकू सैनी	प्रवर श्रेणी लिपिक	171835
61	शुभम सैनी	प्रवर श्रेणी लिपिक	188488
62	अंकुर कोहली	प्रवर श्रेणी लिपिक	171976
63	सतीश कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	172299
64	राजकुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	116999
65	राजकुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	147627
66	पिन्कू	प्रवर श्रेणी लिपिक	116993
67	सुषमा कुमारी	प्रवर श्रेणी लिपिक	190656
68	अजीत सिंह	अवर श्रेणी लिपिक	136632
69	लोकेश	अवर श्रेणी लिपिक	174591
70	अभिषेक जयंत	बहुकार्य कर्मचारी	188697
71	सुनील	बहुकार्य कर्मचारी	191101
72	योगेश नांदल	बहुकार्य कर्मचारी	191063
73	नवीन जोहर	बहुकार्य कर्मचारी	191410
74	नितिन गांधी	बहुकार्य कर्मचारी	188601
75	भवनेश कुमार तंवर	बहुकार्य कर्मचारी	188607
76	नितेश कुमार	बहुकार्य कर्मचारी	188606
77	शरद यादव	बहुकार्य कर्मचारी	137422

हिंदी प्रोत्साहन भत्ता, वर्ष 2024-25 के अंतर्गत हिंदी में टंकण कार्य करने हेतु प्रोत्साहन भत्ता पाने वाले टंककों की सूची

क्रम सं.	नाम	पदनाम	कर्मचारी संख्या
1	दीपक कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	172025
2	सिकंदर यादव	प्रवर श्रेणी लिपिक	138594
3	सुशील	प्रवर श्रेणी लिपिक	139266
4	परमानंद	अवर श्रेणी लिपिक	139253
5	राकेश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	139990
6	असीम मुखर्जी	प्रवर श्रेणी लिपिक	171841
7	पिंकी रानी	प्रवर श्रेणी लिपिक	172334
8	आरती	प्रवर श्रेणी लिपिक	191079
9	नीमा भट्ट बहुगुणा	प्रवर श्रेणी लिपिक	137457
10	अंकित कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	174147
11	विनीत चौधरी	प्रवर श्रेणी लिपिक	191259
12	जितेंद्र कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	117000
13	दिनकर	प्रवर श्रेणी लिपिक	139603
14	नेहा	प्रवर श्रेणी लिपिक	190563
15	अविचल	प्रवर श्रेणी लिपिक	190573
16	अमित कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	191300
17	धर्मवीर सिंह	प्रवर श्रेणी लिपिक	190652
18	गौरव कुमार यादव	प्रवर श्रेणी लिपिक	172055
19	मीतू यादव	प्रवर श्रेणी लिपिक	172341
20	जितेंद्र कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	139251
21	नवीन कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	172422
22	सुमित	प्रवर श्रेणी लिपिक	171957
23	मुकेश कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	191104
24	कर्ण सिंह	प्रवर श्रेणी लिपिक	138282
25	पुष्पा	अवर श्रेणी लिपिक	139267
26	सुमन	अवर श्रेणी लिपिक	173253
27	सुनीता	प्रवर श्रेणी लिपिक	191786
28	करन	प्रवर श्रेणी लिपिक	175415
29	मोनिका	प्रवर श्रेणी लिपिक	175676
30	शुभम सारंग	प्रवर श्रेणी लिपिक	190572
31	सतीश	प्रवर श्रेणी लिपिक	190571
32	हेमंत कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	190558
33	नवीता आर्य	प्रवर श्रेणी लिपिक	188954
34	रिंकू सैनी	प्रवर श्रेणी लिपिक	171835
35	शुभम सैनी	प्रवर श्रेणी लिपिक	188488
36	अंकुर कोहली	प्रवर श्रेणी लिपिक	171976
37	सतीश कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	172299
38	राजकुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	116999
39	राजकुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	147627
40	विशाल	प्रवर श्रेणी लिपिक	122778
41	नवीन	प्रवर श्रेणी लिपिक	191308
42	लोकेश	अवर श्रेणी लिपिक	174591
43	पिंकू	प्रवर श्रेणी लिपिक	116993
44	शुभम सारंग	प्रवर श्रेणी लिपिक	190572
45	साक्षी सिंह	प्रवर श्रेणी लिपिक	190566
46	ज्योति	प्रवर श्रेणी लिपिक	190561
47	संजय	प्रवर श्रेणी लिपिक	148117
48	सुषमा कुमारी	प्रवर श्रेणी लिपिक	190656

विभिन्न पुरस्कार

अंतः शाखा शील्ड योजना, वर्ष 2023-24 के अंतर्गत पुरस्कृत शाखा हितलाभ शाखा

उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरूग्राम द्वारा डिक्टेशन योजना, वर्ष 2023-24 के अंतर्गत पुरस्कृत श्री राजेश यादव, सहायक निदेशक

हिंदी टिप्पण/आलेखन प्रोत्साहन योजना, वर्ष 2023-24 के अंतर्गत पुरस्कृत अधिकारियों/कर्मचारियों की कुछ झलकियाँ

हमारी उपलब्धियाँ

रनर - अप - अवार्ड 2025: श्रेष्ठ कार्य निष्पादन एवं सेवा - ओं के लिए

केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो से प्राप्त प्रशंसा पत्र

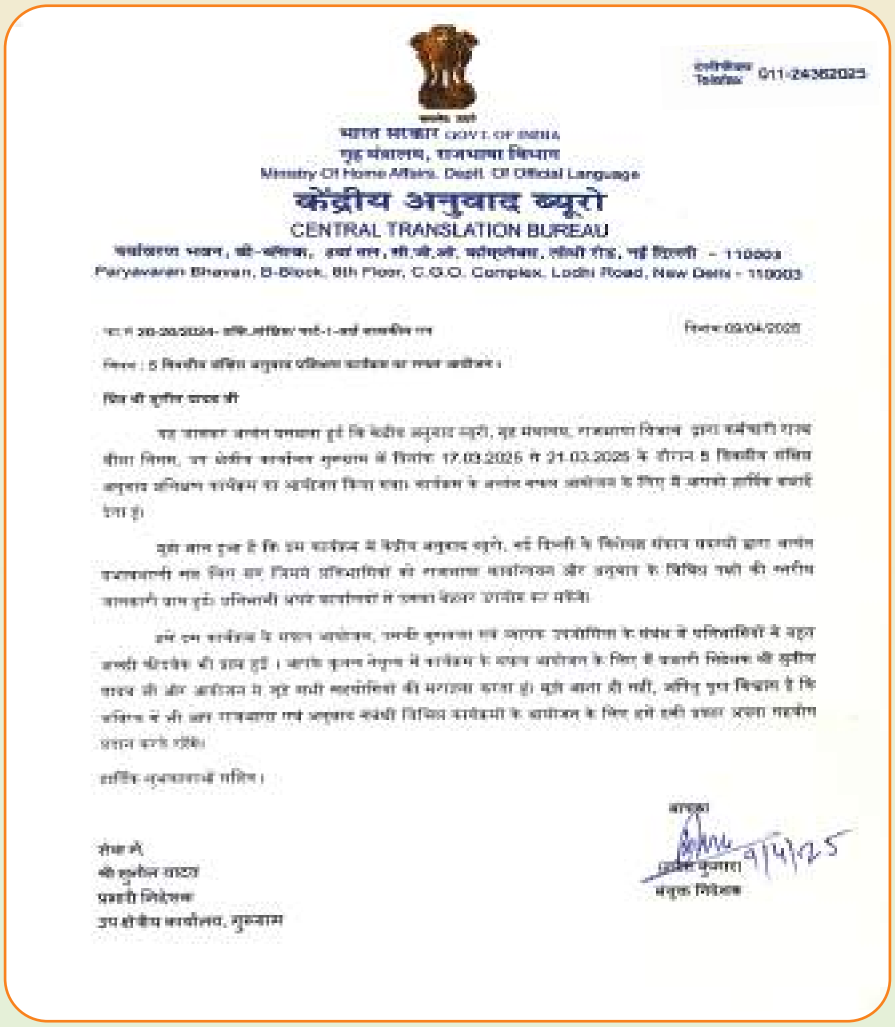

दूरभाष/Telefax: 011-24362023

भारत सरकार GOVT. OF INDIA
गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग
Ministry Of Home Affairs, Deptt. Of Official Language
केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो
CENTRAL TRANSLATION BUREAU
पर्यावरण भवन, बी-ब्लॉक, 8वां तल, सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003
Paryavaran Bhavan, B-Block, 8th Floor, C.G.O. Complex, Lodhi Road, New Delhi - 110003

[illegible] दिनांक 09/04/2025

विषय : 5 दिवसीय [illegible]

[illegible] 17.03.2025 से 21.03.2025 के दौरान 5 दिवसीय [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

संयुक्त निदेशक

सेवा में,
[illegible]
प्रभारी निदेशक
उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम

ख़बरों में हम

केन्द्रीय श्रम व रोजगार मंत्री ने गुड़गांव के ईएसआईसी को दिया अवार्ड

नई दिल्ली 26-01-2025

सभी शाखाओं में हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दें: सुनील यादव

नई दिल्ली 11-01-2025

हिंदी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने के लिए प्रचार-प्रसार पर जोड़ देने का किया आह्वान

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने गुड़गांव ईएसआईसी को प्रदान किया अवार्ड

ईएसआईसीई उप क्षेत्रीय कार्यालय में ध्वजारोहण

अधिकारियों व कर्मचारियों ने तिरंगे को किया सलाम

एसिक स्थापना दिवस को लेकर बैठक

ईएसआईसी कार्यालय प्रमुख सुनील ने की अध्यक्षता

खबरों में हम

मुख्यालय के यूट्यूब पर हम

उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम द्वारा प्रकाशित कैलेंडर

कार्यालय की विभिन्न गतिविधियाँ / समारोह

आदरणीय बीमा आयुक्त (रा.भा.) श्री रत्नेश कुमार गौतम द्वारा श्रम ज्योति , अंक-9 का विमोचन

श्री श्याम कुमार , संयुक्त निदेशक (रा.भा.) द्वारा पुस्तकालय उद्घाटन

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें

हिंदी कार्यशालाएं

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा

"ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी,
जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुर्बानी"

स्वतंत्रत दिवस 2025

गणतंत्र दिवस 2025

शहीदी दिवस 2025

विदाई समारोह

खेल दिवस 2024

सद्भावना दिवस एवं एकता दौड़ 2024

योग दिवस 2024

संगठन एवं पद्धति की बैठकें

श्री विकास कुंडल (प्रभारी)महोदय का विदाई समारोह एवं श्री सुनील यादव (प्रभारी) महोदय का स्वागत-अभिनंदन

राजभाषायी निरीक्षण

उत्तरी क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय - (दिल्ली)राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा

मुख्यालय द्वारा निरीक्षण

पेंशनर बैठक -2024

सुविधा समागम की बैठकें

शाखा कार्यालयों में लगाये गए साइन बोर्ड

कार्यालय के विभिन्न स्थानों पर लगाये गए धारा 3(3) और जाँच बिंदु के बोर्ड

रनर-अप-अवॉर्ड: श्रेष्ठ कार्य निष्पादन एवं सेवाओं के लिए

माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री मनसुख मांडविया
रनर-अप-अवॉर्ड से कार्यालय प्रमुख श्री सुनील यादव
को सम्मानित करते हुए

पीडीएफ़ फाइल के लिए स्कैन करें

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

प्लॉट सं. 47 सैक्टर-34, गुरुग्राम, फोन सं. 0124-4051924

ई-मेल sro-gurgaon@esic.nic.in

dir-gurgaon@esic.nic.in